रीवा
01 अक्टूबर 2025 बुधवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

ऋषिकेश फाल्कन्स ने...
@ पेज 7

गुजरात में हाईवे डूबा, गरबा पंडाल ढहे, महाराष्ट्र के 3 हजार+ गांव डूबे

बारिश-बाढ़ से अब तक 104 मौतें; 15 अटूबर तक विदा होगा मानसून

नई दिल्ली/मुंबई/अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात में सोमवार को कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। इससे द्वारका में कल्याणपुर को पोरबंदर से जोड़ने वाला स्टेट हाईवे डूब गया। कल्याणपुर के पास एक कार पानी में बह गई। वडोदरा में गरबा पंडाल ढह गए। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र के आठ जिलों में 3,050 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। 1 जून से 29 सितंबर तक बारिश-बाढ़ के कारण 104 लोगों की मौत हो गई है। नांदेड़ में सबसे ज्यादा 28 लोगों की मौत हुई। इसके अलावा संभाजीनगर, बीड, हिंगोली, जालना, धाराशिव, परभणी और लातूर में लोगों की जान गई। मराठवाड़ा की 2,701 किलोमीटर सड़कें टूट गई और 1,504 पुल क्षतिग्रस्त हुए हैं। 1,064 स्कूल, 352 केंद्र और 58 सरकारी बिल्डिंग खराब हुई। बारिश और बाढ़ को देखते हुए महाराष्ट्र बोर्ड ने 12वीं क्लास के एग्जाम फॉर्म भरने की तारीख 30 सितंबर से बढ़ाकर 20 अक्टूबर कर दी है। मौसम विभाग के मुताबिक, पूरे देश से मानसून की विदाई तय समय 15 अक्टूबर तक होने की संभावना है। पिछले साल भी मानसून 15 अक्टूबर को विदा हुआ था। देश में 1 जून से 30 सितंबर तक होने वाली बारिश मानसूनी मानी जाती है। इसके बाद भी छिटपुट बारिश जारी रहती है।

यूपी में बिजली गिरने से 3 की मौत, मथुरा में सड़कों पर 3 फीट तक पानी भरा

यूपी के लगभग 20 शहरों में मंगलवार सुबह से जमकर बारिश हो रही है। राज्य में बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई है। इनमें एक मथुरा, एक कन्नौज और एक की श्रावस्ती में जान चली गई। मथुरा और श्रावस्ती में इतनी बारिश हुई कि सड़कें तालाब बन गईं। मथुरा में सड़कों पर 3 से 4 फीट तक पानी भरा है। नालों का पानी लोगों के घरों तक पहुंच गया। भाजपा विधायक पूरन प्रकाश के घर में भी पानी घुस गया है।

आज माँ सिद्धिदात्री का दिन

आज नवमी तिथि को मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। मान्यता है कि मां ने पृथ्वी को असुरों के अत्याचार से मुक्ति दिलाने के लिए अवतार लिया था। कहा जाता है कि मां सिद्धिदात्री की पूजा करने से व्यक्ति के सभी कार्य सिद्ध हो जाते हैं। साथ ही व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं भी पूरी हो जाती हैं। मां सिद्धिदात्री की कृपा से ही भगवान शंकर का आधा शरीर देवी का हुआ था। इसके चलते इन्हें अर्द्धनारीश्वर भी कहा जाता है। आइए जानते हैं मां सिद्धिदात्री की पूजा विधि, मंत्र, आरती और कथा।

ग्राहकों को विदेशी मुद्रा के बदले दिए पोकर चिप्स

ईडी ने 14,000 डॉलर सहित अन्य विदेशी मुद्रा की जब्त

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), पणजी क्षेत्रीय कार्यालय ने 28.09.2025 और 29.09.2025 को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), 1999 के प्रावधानों के तहत गोवा, दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, राजकोट में मेसर्स गोल्डन ग्लोब होटल्स प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स वर्ल्डवाइड रिसॉर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड और बिग डैडी कैसीनो, गोवा से संबंधित 15 परिसरों में तलाशी अभियान चलाया। तलाशी अभियान के दौरान, ईडी ने भारतीय मुद्रा में लगभग 2.25 करोड़ रुपये, 14000 अमेरिकी डॉलर और लगभग 8.50 लाख रुपये के बराबर अन्य विदेशी मुद्रा बरामद की गई है।

हत्या के आरोपियों की जमानत पर सुप्रीम रोक

कोर्ट ने हाईकोर्ट की जल्दबाजी पर जताई भी चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि निजी आजादी की सुरक्षा महत्वपूर्ण है, लेकिन अदालतों को पीड़ितों की पीड़ा को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इस टिप्पणी के साथ जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता ने पटना हाईकोर्ट के मार्च 2024 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें हत्या के एक मामले में दो आरोपियों को अग्रिम जमानत दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की ओर से इस मामले को जिस जल्दबाजी में निपटाया गया, उस पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

पीठ ने कहा कि यद्यपि दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023) की व्यवस्था हाईकोर्ट और सत्र न्यायालय को अग्रिम ज़मानत के आवेदनों पर विचार करने के लिए समवर्ती क्षेत्राधिकार प्रदान करती है। शीर्ष अदालत ने बार-बार कहा है कि हाईकोर्ट को स्वयं सीधे हस्तक्षेप करने से पहले हमेशा एक वैकल्पिक/समवर्ती उपाय अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह दृष्टिकोण सभी हितधारकों के हितों को संतुलित करता है, जिसमें सबसे पहले पीड़ित पक्ष को हाईकोर्ट के समक्ष चुनौती देने का मौका दिया जाता है।

वांगचुक की रिहाई की मांग तेज, अभी जोधपुर जेल में

लेह अपेक्स बॉडी बोली- हालात सुधरने तक सरकार से बात नहीं; केडीए भी बातचीत से हटा

लेह, एजेंसी। लद्दाख को राज्य का दर्जा और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक समेत अन्य गिरफ्तार युवाओं की रिहाई की मांग तेज हो गई है। लेह एपेक्स बॉडी (LAB) के साथ ही करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (KDA) ने कहा है कि लद्दाख में हालात सामान्य होने तक केंद्र की उच्च अधिकार प्राप्त कमेटी से बात नहीं करेंगे। LAB के चेयरमैन थुपस्तान छेवांग ने कहा कि लद्दाख में भय, दुख और गुस्से का माहौल है। जब तक शांति बहाल नहीं होती, हम बातचीत से दूर रहेंगे। 24 सितंबर को LAB द्वारा बुलाए गए बंद के दौरान लेह में हिंसक प्रदर्शन हुए थे। इसमें 4 लोगों की मौत हो गई थी। 50 लोगों को दंगा फैलाने के आरोप में हिरासत में लिया गया। आंदोलन का चेहरा बने वांगचुक को NSA में गिरफ्तार कर जोधपुर जेल भेजा गया है। केंद्र ने 20 सितंबर को LAB और KDA को वार्ता के लिए बुलाया था। इधर, लेह में पिछले एक हफ्ते से जारी कर्फ्यू में मंगलवार सुबह 10 बजे से चार घंटे की ढील दी जा रही है।

गृह मंत्रालय बोला- LAB-KDA से बातचीत को तैयार केंद्र –केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि केंद्र लद्दाख से जुड़े मामलों पर LAB और KDA से किसी भी समय संवाद को तैयार है।

गृह मंत्रालय ने भरोसा जताया कि बातचीत से सकारात्मक नतीजे मिलेंगे। LAB ने झड़पों और गिरफ्तारियों के विरोध में 6 अक्टूबर तक बातचीत से दूरी बनाई है और न्यायिक जांच और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की रिहाई की मांग की है।

वांगचुक की रिहाई तक केडीए केंद्र से बातचीत में शामिल नहीं होगा

कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) ने कहा है कि सोनम वांगचुक की रिहाई तक वह केंद्र के साथ बातचीत में शामिल नहीं होगा। केडीए के सह अध्यक्ष असगर करबला ने कहा कि केंद्र लेह गोलीबारी की न्यायिक जांच का आदेश दे और सभी गिरफ्तार लोगों को रिहा करे। लद्दाख के सांसद मोहम्मद हनीफ़ा ने कहा कि लद्दाख के लोग राष्ट्र–विरोधी के रूप में बताए किए जाने से नाराज हैं।

लेह में कर्फ्यू में 2 घंटे की ढील– लेह में शांति बनी रही और सोमवार शाम 4 बजे केवल दो घंटे के लिए कर्फ्यू में ढील दी गई।

चिदंबरम बोले: मैं मुंबई हमले का बदला लेना चाहता था, मनमोहन सरकार पर अमेरिकी दबाव था

इसलिए पाकिस्तान पर कार्रवाई नहीं की

नई दिल्ली, एजेंसी। मनमोहन सरकार में गृह मंत्री रहे पी चिदंबरम ने खुलासा किया है कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमले के बाद उनके मन में भी बदला लेने का विचार आया था, लेकिन उस वक्त की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने सैन्य कार्रवाई नहीं करने का फैसला लिया।

2008 के मुंबई आतंकी हमलों के 17 साल बाद पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री ने एक चैनल को मंगलवार को दिए इंटरव्यू में कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई न करने का फैसला अंतरराष्ट्रीय दबाव और विदेश मंत्रालय के रुख के कारण लिया गया था।

मुंबई हमले में 175 लोगों की जान गई थी। 60 घंटों तक 10 आतंकियों ने मुंबई की सड़कों, ताज होटल, सीएसटी रेलवे स्टेशन, नरीमन हाउस और कामा हॉस्पिटल को निशाना बनाया था। अंधाधुंध फायरिंग की थी।

चिदंबरम ने कहा- पूरी दुनिया हमें रोकने लगी थी

चिदंबरम ने न्यूज चैनल को बताया– पूरी दुनिया का दबाव था। हमें युद्ध नहीं करने के लिए समझाया जा रहा था। तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री दिल्ली आईं और उन्होंने कहा– कृपया एक्शन नहीं लीजिएगा। कोई आधिकारिक राज उजागर किए बिना मैं मानता हूं कि मेरे मन में प्रतिशोध की भावना आई थी। मैंने जवाबी कार्रवाई पर पीएम और अन्य जिम्मेदार लोगों से चर्चा की थी। पीएम ने तो इस पर चर्चा हमले के दौरान ही कर ली थी। विदेश मंत्रालय का मानना था कि सीधा हमला नहीं करना चाहिए। इसके बाद सरकार ने कार्रवाई नहीं करने का फैसला लिया।

रक्षा मंत्री बोले- आज की चुनौतियों से निपटने के लिए साझा प्रणाली जरूरी

एकीकरण से बढ़ेगा आत्मविश्वास

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि आज के समय में साइबर हमलों, सूचना युद्ध और बदलती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय सेना के बीच बेहतर तालमेल और एक समान प्रणाली की जरूरत है। वह दिल्ली में आयोजित त्रि-सेवा संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय इस दिशा में हरसंभव सहयोग करेगा।

राजनाथ सिंह ने कहा, हमारी सेनाओं ने वर्षों के अनुभव से अपनी ऑडिट प्रणाली विकसित की हैं। लेकिन आज के एकीकृत अभियानों के दौर में जरूरी है कि ये प्रणाली एक-दूसरे जुड़ी हों। अगर हर सेना अलग-अलग काम करेगी, तो फैसला लेना मुश्किल हो सकता है। एकीकृत प्रणाली से सेनाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। आज हमें साइबर हमलों और सूचना युद्ध का खतरा है, इसलिए हमें इनके लिए मानक तय करने होंगे। उन्होंने आगे कहा, जब हम मानक तय करने की बात करते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि सेनाओं की अपनी पहचान खत्म हो जाएगी। हम हर सेना पर एक जैसा तरीका नहीं थोप सकते। हमें ऐसी प्रणाली बनानी होगी जो तीनों सेनाओं के काम को एकसाथ जोड़े। मुझे भरोसा है कि इस पर गंभीर चर्चा होगी और रक्षा मंत्रालय पूरा सहयोग करेगा। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि देश को इस दिशा में लगातार काम करने की जरूरत है, ताकि एक ऐसी आधुनिक और सक्षम प्रणाली तैयार की जा सके जो सभी सेवाओं के लिए उपयोगी हो।

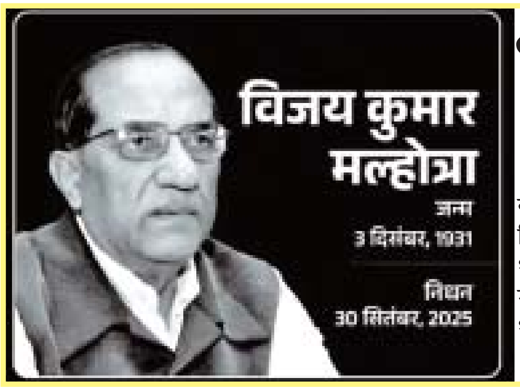

भाजपा नेता विजय कुमार मल्होत्रा का निधन

93 साल के थे; दिल्ली के पहले भाजपा अध्यक्ष, 5 बार सांसद रहे, मनमोहन सिंह को हराया था

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के सीनियर नेता विजय कुमार मल्होत्रा का मंगलवार सुबह 93 साल की उम्र में निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से दिल्ली AIIMS में भर्ती थे। AIIMS ने आज सुबह उनकी मौत की जानकारी दी। मल्होत्रा दिल्ली से 5 बार सांसद और दो बार के विधायक थे। वे 1980 में दिल्ली के पहले प्रदेश अध्यक्ष बने। उन्होंने 1999 के लोकसभा चुनावों में दक्षिण दिल्ली से कांग्रेस उम्मीदवार मनमोहन सिंह को हराया था। उनके पार्थिव शरीर को दिल्ली स्थित उनके आवास पर रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित भाजपा के कई बड़े नेता उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे। पीएम बोले- दिल्ली में भाजपा को मजबूत करने में उनकी अहम भूमिका मोदी ने ङ्क पर कहा, विजय कुमार मल्होत्रा एक महान नेता थे जिन्हें जन मुद्दों की गहरी समझ थी।

केरल के सबरीमाला मंदिर से चोरी 4 किलो सोना मिला

जिसने चोरी की शिकायत की थी उसी की बहन के घर से बरामद

तिरुवनंतपुरम ,एजेंसी। केरल के सबरीमाला मंदिर से गायब हुआ 4 किलो सोना 27 सितंबर को बरामद हुआ। केरल हाईकोर्ट के निर्देश पर मंदिर का मैनेजमेंट संभालने वाले त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (TDB) की विजिलेंस विंग ने इसकी बरामदगी वेनजारामूडु इलाके से की। ये सोना मंदिर के द्वारपालकों की मूर्ति के पीठासन (तांबे के आसन) पर चढ़ाया गया था। जिस व्यक्ति ने इसके गुमने की शिकायत की थी, उसी ने ही सोना लगवाया था। 4 किलो गोल्ड परत भी उसी की बहन के घर बरामद हुआ। शख्स का नाम उन्नीकृष्णन पोटी है, वो बेंगलुरु का रहने वाला है। दरअसल, सबरीमाला मंदिर में साल 2019 में 42 किलो सोने की परत कई मूर्तियों और दीवार पर चढ़ाई गई थी।

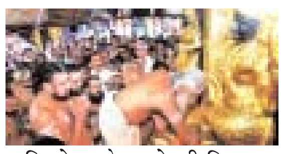

कश्मीर के 7 टूरिस्ट स्पॉट फिर खोले गए

इनमें अरु घाटी, राफ्टिंग पॉइंट यान्नर भी शामिल, पहलगाम हमले के बाद बंद किए गए थे

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने सोमवार को घाटी के सात टूरिस्ट स्पॉट फिर से खोल दिए हैं। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद इन टूरिस्ट स्पॉट को बंद कर दिया गया था। LG मनोज सिन्हा के निर्देशों के बाद ये टूरिस्ट स्पॉट खोले गए हैं। कश्मीर संभाग में जिन सात टूरिस्ट स्पॉट को फिर से खोला गया, उनमें अरु घाटी, राफ्टिंग पॉइंट यान्नर, अक्कड़ पार्क, पादशाही पार्क और कमान पोस्ट शामिल हैं। 22 अप्रैल को पहलगाम क्षेत्र के बैसरन में हुए आतंकी हमले के बाद LG प्रशासन ने लगभग 50 टूरिस्ट स्पॉट को बंद कर दिया था। हमले में आतंकवादियों ने 26 टूरिस्ट की गोली मारकर हत्या कर दी थी। LG ने जम्मू संभाग के पांच टूरिस्ट स्पॉट रामबन में दागन टॉप, कठुआ में धागर और रियासी के सलाल में शिव गुफा को खोलने के आदेश भी दिए हैं। वहीं जून में पहलगाम के कुछ हिस्सों सहित 16 पर्यटन स्थलों को फिर से खोल दिया था।

कोटा में विश्व का सबसे ऊंचा रावण तैयार, एशिया बुक और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज होगा नाम; 44 लाख रुपए की लागत

कोटा, एजेंसी। कोटा का 132वां राष्ट्रीय दशहरा मेला 2025 इतिहास रचने के लिए तैयार है। इस बार मेले में रावण दहन का नजारा पूरे देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बनने वाला है। करीब चार महीने में कारीगरों ने विश्व का सबसे ऊंचा (221 फीट) रावण तैयार किया है।

बीती शाम (29 सितंबर) को दशहरा मैदान ग्राउंड में क्रेन की मदद से इस विशालकाय पुतले को खड़ा किया गया। दोपहर करीब 3 बजे से इसके प्रयास शुरू हो गए थे। पूरी तरह पुतले को खड़ा करने में रात के 8 बज गए थे। इसे बनाने में 44 लाख रुपए की लागत आई है।

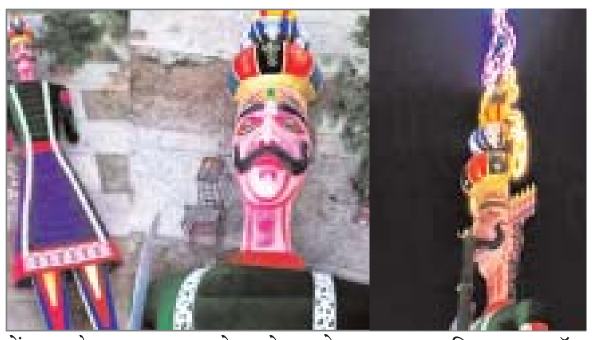

रिकॉर्ड बनाने की तैयारी :रावण के इस पुतले को लेकर कोटा का नाम एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज होगा। अब तक दिल्ली के पास 210 फीट का रिकॉर्ड है, जबकि 2019 में चंडीगढ़ में 221 फीट का पुतला खड़ा नहीं हो सका था। कोटा का 221 फीट का यह रावण सफलतापूर्वक खड़ा होकर विश्व रिकॉर्ड बनाने जा रहा है। दिल्ली से आई टीम ने रावण का मेजरमेंट किया।

दशहरा मेला समिति अध्यक्ष विवेक राजवंशी ने बताया- दिल्ली से 4 अलग-अलग टीमें सोमवार को आ गई थीं। इन टीमों में एशिया रिकॉर्ड और वर्ल्ड रिकॉर्ड के विशेषज्ञ शामिल हैं। उन्होंने पुतले की पूरी माप ली। अब यह आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड रिकॉर्ड बन जाएगा। मेला अधिकारी अशोक कुमार त्यागी सहित तमाम पदाधिकारियों की मौजूदगी में दशहरा मैदान ग्राउंड पर भूमि पूजन किया गया।

ग्रीन पटाखों से होगा दहन :रावण के साथ मेघनाथ और कुंभकरण के भी 60-60 फीट के पुतले बनाए गए हैं। इन्हें मंगलवार को खड़ा किया जाएगा। तीनों पुतलों में ग्रीन पटाखे लगाए जा रहे हैं। रावण में 15,000 ग्रीन पटाखे और 25 रिमोट कंट्रोल सिस्टम लगाए गए हैं। वहीं, मेघनाथ और कुंभकरण में 4-4 हजार पटाखे और 10-10 रिमोट कंट्रोल लगाए जाएंगे।

पाकिस्तान के क्वेटा में जबरदस्त धमाका, छह की मौत और 15 से ज्यादा घायल; अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के क्वेटा शहर में जबरदस्त विस्फोट हुआ है, जिसमें छह लोगों की मौत हुई है। धमाके में कई लोग घायल भी हुए हैं। क्वेटा पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी है। बलूचिस्तान के स्वास्थ्य विभाग के सचिव ने बताया कि बम विस्फोट के चलते क्वेटा के अस्पतालों में आपातकाल लागू कर दिया गया है। सभी डॉक्टर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, नर्सों आदि को ड्यूटी पर मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है।

धमाके में छह लोगों की मौत :पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, बम धमाका क्वेटा की जरगून रोड के करीब हुआ। धमाके में कम से कम छह लोगों की मौत की खबर है और 15 अन्य घायल हुए हैं। बलूचिस्तान के स्वास्थ्य विभाग के मीडिया संयोजक ने बताया कि घायलों को सिविल अस्पताल समेत विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बम धमाके का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि एक व्यस्त सड़क पर अचानक तेज धमाका हुआ, जिसकी चपेट में सड़क पर मौजूद कई लोग आ गए।

बुजुर्गों से किया दुर्व्यवहार तो गिफ्ट डीड होगी रद्द, जानें दिल्ली हाईकोर्ट ने क्या टिप्पणी की

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने समाज में बुजुर्गों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार पर चिंता जताई है। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की खंडपीठ ने अपने हाल के फैसले में कहा कि वरिष्ठ नागरिक अपने परिवार के सदस्यों को जो उपहार विलेख (गिफ्ट डीड) देते हैं उसमें ''प्रेम और स्नेह'' की एक निहित शर्त होती है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि गिफ्ट डीड के बाद वरिष्ठ नागरिक की देखभाल नहीं की जाती, तो इसे धोखाधड़ी माना जाएगा। इसे शून्य घोषित किया जा सकता है। कोर्ट ने यह टिप्पणी करते हुए 88 वर्षीय दलजीत कौर की ओर से अपनी पुत्रवधू वरिंदर कौर को दी गई संपत्ति के उपहार विलेख को रद्द करने का निर्णय बरकरार रखा गया। दलजीत कौर ने 2015 में अपनी जनकपुरी की संपत्ति अपनी पुत्रवधू वरिंदर कौर को गिफ्ट डीड के जरिये हस्तांतरित की थी। हालांकि, इसके बाद उन्हें उपेक्षा, चिकित्सा देखभाल की कमी और यहां तक कि धमकियों का सामना करना पड़ा। दलजीत कौर ने माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007 की धारा 23 के तहत रखरखाव ट्रिब्यूनल में आवेदन दायर किया। ट्रिब्यूनल ने डीड रद्द करने से इनकार कर दिया, लेकिन स्थानीय पुलिस को उनकी सुरक्षा की निगरानी का निर्देश दिया। इसके बाद, जुलाई 2023 में जिला मजिस्ट्रेट ने इस निर्णय को पलटते हुए गिफ्ट डीड को रद्द करने का आदेश दिया।

अभी तक खत्म नहीं हुई दहेज के खिलाफ लड़ाई - हाईकोर्ट : हाईकोर्ट ने कहा कि दहेज के खिलाफ अभी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज भी कई महिलाएं दहेज की मांग के कारण क्रूरता का शिकार हो रही हैं। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने यह टिप्पणी एक मामले की सुनवाई के दौरान की, जिसमें एक महिला ने अपने ससुराल में दहेज की मांग और लगातार प्रताड़ना के कारण अपने मायके में आत्महत्या कर ली थी। महिला के परिजनों ने आरोप लगाया कि महिला का पति, उसके सास-ससुर, भाई और उनकी पत्नियां लगातार दहेज की मांग करते थे। मांग पूरी न होने पर उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। इस क्रूरता के कारण महिला ने अपने मायके में आत्महत्या कर ली। स्वजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। ससुर और देवर ने अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि ऐसी घटनाएं समाज में दहेज और घरेलू हिंसा के खिलाफ और सख्त कदम उठाने की आवश्यकता को दर्शाती है।

हाईकोर्ट ने वकील के खिलाफ शुरू की आपराधिक अवमानना की कार्यवाही : हाईकोर्ट ने एक वकील वेदांत के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू की है। वकील ने न्यायपालिका पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए थे। न्यायमूर्ति अमित शर्मा ने कहा कि वकील की न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की लापरवाहीपूर्ण टिप्पणियां अवमाननापूर्ण और अपमानजनक हैं। न्यायमूर्ति शर्मा ने अपने आदेश में कहा कि यह आरोप कोर्ट की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले, न्यायिक कार्यवाही में हस्तक्षेप करने वाले और न्याय प्रशासन को प्रभावित करने वाले हैं। मौजूदा याचिका में उपलब्ध सामग्री की समीक्षा के बाद यह कोर्ट प्रथम दृष्टया इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि प्रतिवादी ने आपराधिक अवमानना की है। कोर्ट ने सुनवाई के लिए 19 नवंबर 2025 को रोस्टर बेंच के समक्ष सूचीबद्ध किया है। यह कार्यवाही एक सिविल अवमानना मामले की सुनवाई के दौरान शुरू की गई, जिसमें वेदांत पर पूर्व सिविल कोर्ट के आदेश की बार-बार अवहेलना करने और संबंधित कार्यवाहियों में दाखिल किए गए दस्तावेजों में आपत्तिजनक टिप्पणियों का आरोप था। जनवरी 2024 में, वेदांत ने पहले न्यायिक अधिकारियों के खिलाफ आरोप लगाने के लिए बिना शर्त माफी मांगी थी। इसके बावजूद, उन्होंने एक ईमेल भेजा जिसमें भड़काऊ दावे किए गए। इस ईमेल में उन्होंने न्यायाधीशों पर 50 करोड़ रुपये की रिश्वत लेकर न्याय में देरी करने का आरोप लगाया था।

बाढ़ क्षेत्र में सौंदर्यीकरण शुरूः यमुना रिवर फ्रंट को मिलेगी नई पहचान, डीडीए ने जारी किये 79.75 लाख के टेंडर

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना नदी के बाढ़ क्षेत्र में सौंदर्यीकरण के काम को डीडीए ने फिर से गति देने का फैसला किया है। नदी में जलस्तर खतरे के निशान पार जाने के कारण यमुना रिवर फ्रंट विकास परियोजना पर काम ठप पड़ गया था। अब दो नए ई-टेंडरों के जरिये डीडीए यमुना रिवर फ्रंट की बहाली और पुनरुद्धार पर फोकस कर रहा है। वासुदेव घाट पर साइनेज बोर्ड और लाल बलुआ पत्थर की संरचनाएं लगाने और आशिता ईस्ट उद्यान क्षेत्र में इंटरलॉकिंग पेवर ब्लॉक्स बिछाने के लिए कुल 79,74,611 रुपये के टेंडर जारी किए गए हैं। डीडीए के अधिकारियों का कहना है कि ये परियोजनाएं नदी तट को पर्यावरण अनुकूल और आकर्षक बनाएंगी। इससे दिल्लीवासियों को एक हरा-भरा और साफ-सुथरा रिवर फ्रंट मिलेगा। पहले टेंडर के तहत वासुदेव घाट पर दिशा निर्देशक बोर्ड लगाने, लाल बलुआ पत्थरों से हाथी, घोड़े, गेंडे की आकृतियां, नक्काशीदार बेंच, अन्य संरचनाएं लगाई जाएंगी। इसकी कुल अनुमानित लागत 32,97,792 रुपये है। इस काम को पूरा करने के लिए 45 दिन का समय तय किया गया है। 4 अक्तूबर को टेंडर खुलेंगे।

सिर से घुसा सरिया आंख से निकलाः तीन मंजिला इमारत के नीचे से जा रही थी पांच साल की बच्ची

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के शाहदरा जिला के जगतपुरी एक्सटेंशन पर रविवार सुबह एक दिल-दहला देने वाला हादसा हुआ। पिता के साथ मंदिर से लौट रही पांच साल की मासूम के सिर पर तीन मंजिला निर्माणाधीन मकान से सरिया गिरकर आर-पार हो गया। सिर से घुसा सरिया मासूम की आंख से निकला तो उसकी आंख भी बाहर आकर लटक गई।

बच्ची की हालत बेहद नाजुक : पिता ने सारा नजारा देखा तो उनके हाथ-पांव फूल गए। किसी तरह बेटी को लेकर जीटीबी अस्पताल पहुंचे। मासूम के सिर से सरिया तो निकाल दिया गया, लेकिन अस्पताल में उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने छानबीन के बाद लापरवाही बरतकर चोट पहुंचाने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परिजन मांग रहे बच्ची की सलामती की दुआएं : पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से मामले की छानबीन कर रही है। इमारत के मालिक व ठेकेदार से पूछताछ कर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। मासूम के परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त एक्शन लेने की मांग की है। परिजन उसकी सलामती की दुआएं कर रहे हैं।

इसी साल हुआ था बच्ची का स्कूल में दाखिला : पुलिस के मुताबिक मूलरूप से फतेहगढ़, फर्रुखाबाद, यूपी की रहने वाली मासूम आंशी अपने परिवार के साथ गली नंबर-4, जगतपुरी एक्सटेंशन में रहती है। इसके परिवार में पिता रितेश कुमार, मां प्रियंका व अन्य सदस्य हैं। रितेश अपने जीजा विनोद के मकान में रहते हैं। इसी साल मासूम का स्कूल में दाखिला करवाया गया है।

हादसे के बाद आंख आ गई बाहर : रविवार सुबह 9.00 बजे आंशी अपने पिता के साथ पास के दुर्गा मंदिर गई थी। पूजा के बाद वह मंदिर से बाहर निकले ही थी कि पास में ही बन रही एक निर्माणाधीन तीन मंजिला इमारत से करीब आठ फीट का एक सरिया गिरा और उनके सामने ही बेटी के सिर में घुस गया। हादसे में बच्ची की दाहिनी आंख बाहर आ गई।

पड़ोसी ने निकाला सिर में घुसा सरिया : यह देखकर रितेश के होश उड़ गए। पड़ोसी उनकी मदद को आए किसी तरह उन्होंने खुद ही सरिया सिर से बाहर निकाला और जीटीबी अस्पताल लेकर भागे। मासूम को आईसीयू में भर्ती किया गया है। पुलिस ने परिजनों का बयान लेकर मामला दर्ज कर लिया है। अब मामले की छानबीन की जा रही है।

व्हाट्सएप कॉल व मैसेज कर दिया तीन तलाक, पत्नी ने दूरी बनाई तो आरोपी देने लगा परिवार को धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में एक शख्स ने महिला को व्हाट्सएप कॉल कर तीन तलाक दे दिया। उसके बाद लगातार व्हाट्सएप पर मैसेज कर वह तीन तलाक देता रहा। परेशान होकर पीड़िता अनम मकबूल ने पति से दूरी बना ली। उसने पति का फोन उठाना बंद कर दिया। इस बात से आरोपी बुरी तरह चिढ़ गया। उसके बाद उसने पीड़िता और उसके परिवार को धमकाना शुरू कर दिया। आरोपी लगातार जान से मारने की धमकी दे रहा था। परेशान होकर पीड़िता ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने छानबीन के बाद तीन तलाक का मामला दर्ज कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, अनम मकबूल परिवार के साथ जे-एक्सटेंशन, लक्ष्मी नगर में रहती हैं। दिसंबर 2022 को अनम की शादी किशनकुंज निवासी लक्ष्मी नगर निवासी दानिश सैफी से हुई थी। शादी के बाद से ही दानिश अनम और उसके परिवार को छोटी-छोटी बातों पर धमकाने लगा। वह उसके साथ गाली-गलौज करने लगा। पीड़िता के मुताबिक फरवरी 2024 में दानिश ने व्हाट्सएप कॉल कर पहली बार तीन तलाक दिया। उसके बाद कई बार व्हाट्सएप मैसेज और बोल कर तलाक दिया।

साक्ष्यो के अभाव में दहेज हत्या के आरोप से पति बरी

नई दिल्ली, एजेंसी। साकेत कोर्ट ने दहेज मृत्यु और क्रूरता के आरोपों में एक व्यक्ति को बरी कर दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शीतल चौधरी प्रधान ने कहा कि अभियोजन पक्ष इस मामले को साबित करने में विफल रहा। यह मामला गोविंदपुरी पुलिस स्टेशन द्वारा दर्ज किया गया था, जिसमें आरोपी बिलाल अहमद पर दहेज हत्या और पत्नी पर क्रूरता करने के आरोप थे। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया था कि मृतका यासमीन को दहेज के लिए क्रूरता का सामना करना पड़ा। इस कारण उसने 23 नवंबर 2021 को फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। हालांकि, 18 सितंबर को अदालत ने अपने फैसले में कहा कि मृतका के छह परिवार वालों, जिनमें उसके माता-पिता और भाई-बहन शामिल हैं, ने यह नहीं बताया कि यासमीन को वैवाहिक घर में रहते समय आरोपी द्वारा किसी भी प्रकार की क्रूरता या दहेज की मांग के साथ उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। अदालत ने कहा, अभियोजन पक्ष द्वारा किसी भी गवाह ने भी प्रकार की क्रूरता का सामना करना पड़ा।

दिल्ली विश्वविद्यालय : एनसीवेब ने दाखिले के लिए स्पेशल कटऑफ की जारी, 4 अक्टूबर तक फीस का कर सकेंगे भुगतान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉन कॉलेजिएट वीमेंस एजुकेशन बोर्ड (एनसीवेब) के केंद्रों में बीए और बीकॉम प्रोग्राम में दाखिला को लेकर सोमवार को स्पेशल कटऑफ जारी कर दी गई। इच्छुक उम्मीदवार फीस का भुगतान कर चार अक्तूबर तक दाखिला सुनिश्चित कर सकेंगे।

एनसीवेब निदेशक प्रो. गीता भट्ट ने कहा कि दाखिला के लिए स्पेशल कटऑफ जारी कर दी है। दोबारा से दाखिला का मौका देने पर अलग-अलग केंद्रों की 2800 खाली सीट के लिए 1200 आवेदन प्राप्त हुए। इसमें एक हजार के आसपास सीट बीए प्रोग्राम की है। उम्मीदवार दो अक्तूबर तक केंद्र में दाखिला के लिए आवेदन कर सकते है। केंद्र तीन अक्तूबर तक दाखिला संबंधी औपचारिकता को पूरा करेंगे। जबकि फीस भुगतान की आखिरी तारीख चार अक्तूबर है। यह दाखिला लेने का आखिरी का मौका है। उन्होंने बताया कि बीए प्रोग्राम में एसटी, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस श्रेणी की सीट खाली है। भगिनी निवेदिता कॉलेज, अदिति कॉलेज में सामान्य वर्ग की सीट खाली है। जबकि बीकॉम में अलग-अलग श्रेणी में दाखिला के लिए सीट उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि कोविड के बाद एक यह ट्रेंड सामने आया कि बीकॉम प्रोग्राम में पहले की तरह दाखिला नहीं हो पा रहे है। दोबारा से दाखिला पंजीकरण का मौका उन उम्मीदवार के लिए भी था जिन्होंने अभी तक पंजीकरण नहीं किया था। स्पेशल ड्राइव के बाद भी कुछ केंद्रों में सीट खाली रह गई थी। उन सीटों को भरने के लिए दाखिला का अवसर दिया गया था। बता दें कि एनसीवेब के 26 केंद्रों में बीए और बीकॉम प्रोग्राम की कक्षाएं सप्ताहांत और अवकाश के दिन आयोजित होती है। इसमें मिरांडा हाउस और हंसराज कॉलेज जैसे नामचीन दूसरे कॉलेज भी शामिल है।

बीए से ज्यादा बीकॉम की सीटें खाली : बीए और बीकॉम प्रोग्राम में दाखिला के लिए कुल 15200 सीट है। इसमें लगभग दस हजार सीट बीए प्रोग्राम की है। बीए से ज्यादा बीकॉम प्रोग्राम की सीटें दाखिला के लिए खाली पड़ी है। हालांकि पिछली बार से इस वर्ष दाखिला को लेकर छात्रों में अच्छा उत्साह देखने को मिला।

फर्रुखाबाद के ध्यानार्थ सरिया गिरने से घायल मासूम ने तोड़ा दम, बिल्डिंग मालिक समेत तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। शाहदरा जिले के जगतपुरी एक्सटेंशन में रविवार सुबह चार मंजिला निर्माणाधीन मकान से सरिया गिरने से घायल मासूम ने जीटीबी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मासूम के सिर में घुसा सरिया उसकी आंख से बाहर निकल आया था। मासूम के पिता के बयान पर पुलिस ने लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर इमारत के मालिक नत्थू सिंह के अलावा तीन मजदूरों को गिरफ्तार कर लिया है।

शाहदरा जिला के पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि मूलरूप से यूपी के फर्रुखाबाद स्थित फतेहगढ़ निवासी मासूम आंशी परिवार के साथ गली नंबर-4, जगतपुरी एक्सटेंशन में रहती थी। परिवार में पिता रितेश कुमार, मां प्रियंका व अन्य सदस्य हैं। रितेश अपने जीजा विनोद के मकान में रहते हैं। इसी साल मासूम का स्कूल में दाखिला करवाया गया था।

रविवार सुबह करीब 9 बजे आंशी अपने पिता के साथ पास के दुर्गा मंदिर गई थी। पूजा के बाद वह मंदिर से बाहर निकले ही थे कि पास में ही निर्माणाधीन चार मंजिला इमारत से करीब आठ फीट का एक सरिया गिरा और उनके सामने ही बेटी के सिर में घुस गया। हादसे में बच्ची की दाहिनी आंख बाहर आ गई। यह देखकर रितेश के होश उड़ गए। पड़ोसी उनकी मदद के लिए आए किसी तरह उन्होंने खुद ही सरिया सिर से बाहर निकाला और मासूम को लेकर जीटीबी अस्पताल भागे। आंशी को आईसीयू में भर्ती किया गया, जहां उपचार के दौरान सोमवार को उसने दम तोड़ दिया। जीटीबी एंक्लेव थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारियों पर यह भी संदेह है कि उन्होंने पेरिस में होलोकॉस्ट बर्लिन के ब्रैंडेनबर्ग गेट के सामने कंक्रीट का कंकाल रखा।

फरवरी 2026 से एच-1बी वीजा में बड़े बदलाव करने जा रहा अमेरिका, भारतीय पेशेवरों पर पड़ेगा असर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने कहा कि फरवरी 2026 से पहले H-1B (एच-1बी) वीजा प्रक्रिया में काफी बदलाव होंगे। गौरतलब है कि ट्रंप सरकार ने एच-1बी वीजा की फीस कई गुना बढ़ाकर 100,000 अमेरिकी डॉलर कर दिया है और नया शुल्क भी फरवरी 2026 से ही लागू होगा। लुटनिक ने एच-1बी वीजा पर सस्ते तकनीकी सलाहकारों के देश में आने और अपने परिवारों को लाने के विचार को बिल्कुल गलत बताया।

लॉटरी सिस्टम को खत्म कर सकती है अमेरिकी सरकार: लुटनिक ने एक हालिया इंटरव्यू में बताया कि फरवरी 2026 में जब एच1बी वीजा की बढ़ी हुई फीस लागू होगी, तब इसमें कई बड़े बदलाव होंगे। लुटनिक ने संकेत दिए कि अमेरिकी सरकार एच1बी वीजा के तहत लॉटरी सिस्टम को खत्म कर सकती है। लुटनिक ने लॉटरी सिस्टम की आलोचना की और सवाल किया कि क्या किसी देश को लॉटरी के जरिए कुशल श्रमिकों को अपने देश में लाना चाहिए? अमेरिका के वाणिज्य मंत्री लुटनिक ने कहा कि एच-1बी लॉटरी को ठीक किया जाना चाहिए और अमेरिका को उच्च-कुशल नौकरियां केवल सबसे कुशल लोगों को ही देनी चाहिए।

उच्च प्रशिक्षित पेशेवरों को ही मिलेगी वरीयता: लुटनिक ने कहा कि कंपनियों को ऐसे तकनीकी सलाहकारों और प्रशिक्षुओं को रखने का विचार समाप्त कर देना चाहिए जो सस्ते हों। इस बारे में मेरी राय पक्की है। मुझे लगता है कि राष्ट्रपति इन मुद्दों पर मेरे साथ हैं। मेरा मानना है कि सस्ते तकनीकी सलाहकार इस देश में आएं और अपने परिवारों को भी लाएं, ये मुझे बिल्कुल गलत लगता है, और मैं इसे सही नहीं मानता हूं। माना जा रहा है कि भविष्य में अमेरिकी सरकार एच1बी वीजा के तहत सिर्फ उच्च प्रशिक्षित पेशेवरों को ही वरीयता दे सकती है।

भारतीय पेशेवरों पर होगा असर: एच-1बी वाजी की बढ़ी हुई फीस से अमेरिका में काम करने के इच्छुक भारतीय पेशेवरों पर गंभीर असर होगा। गौरतलब है कि एक लाख अमेरिकी डॉलर एच1बी वीजा के लिए एकमुश्त शुल्क होगा। हालांकि नई दरें मौजूदा वीजा धारकों पर लागू नहीं होगी और केवल नए आवेदकों को ही बढ़ी हुई फीस का भुगतान करना होगा। एच1बी वीजा प्रक्रिया को 1990 में शुरू किया गया था और दुनियाभर के पेशेवरों के लिए, जो अमेरिका में अपना करियर बनाना चाहते हैं, यह एच-1बी वीजा खासा लोकप्रिय है। अब जब अमेरिका सरकार इसके नियम कड़े करने जा रही है तो इसका असर भारतीय पेशेवरों पर भी पड़ेगा क्योंकि बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर एच-1बी वीजा के दम पर ही अमेरिका में काम कर पाते हैं।

अमेरिकी पेशेवरों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रोजेक्ट फायरवॉल लॉन्च: इस महीने अमेरिकी श्रम विभाग ने प्रोजेक्ट फायरवॉल की शुरुआत की घोषणा की है। जिसका उद्देश्य उच्च कुशल अमेरिकी श्रमिकों के अधिकारों, वेतन और रोजगार के अवसरों की रक्षा करना है। यह पहल यह सुनिश्चित करेगी कि नियोक्ता कर्मचारियों की नियुक्ति करते समय योग्य अमेरिकियों को प्राथमिकता दें और यदि वे H1B वीजा प्रक्रिया का दुरुपयोग करते हैं तो नियोक्ताओं को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

स्कूल इमारत ढहने से मलबे में दबे दर्जनों बच्चे, एक की मौत

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया में एक स्कूल इमारत के ढहने से दर्जनों बच्चे मलबे में फंस गए हैं। एक बच्चे की हादसे में मौत हो गई है। हादसे को 12 घंटे से ज्यादा का समय बीत चुका है, लेकिन अभी तक राहत और बचाव कार्य पूरा नहीं हो सका है। मलबे में फंसे छात्रों को बचावकर्मियों द्वारा पानी और ऑक्सीजन पहुंचाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मलबे में अभी भी 65 लोगों के दबे होने की आशंका है।

मलबे में कई शव देखे गए: घटना इंडोनेशिया के पूर्वी जावा के सिदोअर्जो शहर के अल खोजिनी इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल में हुई। कई घंटों के बचाव कार्य के बाद मलबे से आठ छात्रों को निकाला गया और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। बचावकर्मियों ने मलबे में कई शव देखने का दावा किया है, जिससे आशंका है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। फिलहाल बचावकर्मी जीवित लोगों को जल्द से जल्द मलबे से निकालने की कोशिश कर रहे हैं। छात्रों के परिजन मौके पर मौजूद हैं और अपने बच्चों की खबर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कई परिजन रोते-बिलखते देखे गए। लापता 65 छात्रों में से अधिकतर सातवीं से 11वीं कक्षा के छात्र हैं, जिनकी उम्र 12 साल से लेकर 17 साल के बीच है। खोज और बचाव अभियान का नेतृत्व कर रहे एक अधिकारी ने बताया कि कंक्रीट के भारी स्लैब और अन्य मलबे के चलते बचाव कार्य बाधित हो रहा है। उन्होंने बताया कि बचाव कार्य के लिए भारी उपकरणों का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है क्योंकि भारी उपकरणों से ढहा हुआ मलबा और ढह सकता है। यही वजह है कि बचाव कार्य में देरी हो रही है।

पुलिस ने बताया- इमारत के अवैध विस्तार से हुआ हादसा: प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि छात्र एक इमारत में दोपहर की प्रार्थना कर रहे थे, उसी दौरान इमारत गिर गई। उन्होंने बताया कि स्कूल इमारत का अनधिकृत विस्तार किया जा रहा था। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में एक 13 वर्षीय छात्र की मौत हो गई और 99 अन्य छात्र घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। अधिकारी इमारत के ढहने के कारणों की जांच कर रहे हैं।

परमाणु हथियार नहीं छोड़ेंगे, संयुक्त राष्ट्र में उत्तर कोरिया की दो टूक, अमेरिका पर जमकर निशाना भी साधा

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। उत्तर कोरिया और वहां के सर्वोच्च नेता किम जोंग परमाणु कार्यक्रम को लेकर हमेशा से ही चर्चा में रहते आए हैं। इसी सिलसिले में उत्तर कोरिया एक बार फिर चर्चा में तब आया जब संयुक्त राष्ट्र महासभा की सालाना बैठक में उत्तर कोरिया के वरिष्ठ उप विदेश मंत्री किम सोन ग्योंग ने दो टूक कहा कि उनका देश कभी भी अपने परमाणु हथियार नहीं छोड़ेगा। उन्होंने इन हथियारों को दक्षिण कोरिया के साथ शक्ति संतुलन बनाए रखने के लिए जरूरी बताया। इस दौरान किम ने अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया द्वारा किए जा रहे सैन्य अभ्यासों को बढ़ते खतरे की तरह बताया।

उत्तर कोरियाई उप विदेश मंत्री ने कहा कि इनकी वजह से कोरियाई प्रायद्वीप की सुरक्षा को अब पहले से ज्यादा खतरे का सामना है। उन्होंने कहा कि हम कभी भी परमाणु कार्यक्रम नहीं छोड़ेंगे। यह हमारे संविधान में शामिल है। हालांकि देखा जाए तो इस बार उत्तर कोरियाई नेता का भाषण पहले की अपेक्षा थोड़ा नरम था। उन्होंने अमेरिका का नाम लिए बिना दादागीरी करने वाली ताकतों और अनुचित आर्थिक नीतियों की आलोचना की, लेकिन किसी तरह की व्यक्तिगत टिप्पणी या भड़काऊ भाषा का इस्तेमाल नहीं किया।

दक्षिण कोरिया ने आरोपों को किया खारिज: दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्र में उत्तर कोरियाई नेता की तरफ से लगाए गए इन आरोपों पर दक्षिण कोरिया ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। दक्षिण कोरिया ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि हाल के त्रिपक्षीय सैन्य अभ्यास उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु और मिसाइल खतरों का जवाब हैं। संयुक्त राष्ट्र की कई सुरक्षा परिषद प्रस्तावों में उत्तर कोरिया से परमाणु हथियार और मिसाइल कार्यक्रम बंद करने की मांग की जा चुकी है। वहीं दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्युन ने बताया कि राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने ट्रंप से कोरिया प्रायद्वीप में शांति बहाली के लिए भूमिका निभाने की अपील की है। ट्रंप ने इस पर अपनी रुचि भी दिखाई है।

ट्रंप और किम की बातचीत की फिर उम्मीद: बता दें कि यह भाषण ऐसे समय में आया है जब उत्तर कोरिया और अमेरिका के बीच फिर से संवाद की संभावनाएं जताई जा रही हैं। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 2018-2019 में तीन बैठकें हुई थीं, लेकिन प्रतिबंधों के मुद्दे पर बातचीत टूट गई थी। ऐसे में अब ट्रंप के फिर से सत्ता में आने के बाद उन्होंने किम से बातचीत की इच्छा जताई है। उधर, किम ने भी हाल ही में कहा कि ट्रंप के साथ उनकी अच्छी यादें हैं, लेकिन अमेरिका को पहले परमाणु हथियार छोड़ने की शर्त को हटाना होगा।

एशिया दौरे पर ट्रंप, चीन और उत्तर कोरिया से जुड़ाव बढ़ने की उम्मीद: गौरतलब है कि ट्रंप अगले महीने दक्षिण कोरिया का दौरा करेंगे और एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन (एपीईसी) सम्मेलन में भाग लेंगे। इस दौरान उनकी मुलाकात चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी होने की संभावना है। इन सबके बीच उत्तर कोरिया रूस और चीन के साथ अपने रिश्ते और मजबूत कर रहा है। हाल ही में किम जोंग उन, शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन ने द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की वर्षगांठ पर बीजिंग में एक सैन्य परेड में एक साथ मंच साझा किया। इसके बाद उत्तर कोरिया और चीन के विदेश मंत्रियों की बैठक में कई अहम मुद्दों पर बातचीन हुई।

अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने किया मूर्ति विसर्जन स्थलों का निरीक्षण

सभी सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव ने मंगलवार को गऊ घाट पर मूर्ति विसर्जन स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विसर्जन स्थल पर सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का समग्र जायजा लिया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों से विसर्जन कुण्ड के समीप सुरक्षा के दृष्टिकोण से किए जाने वाले प्रबंधों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की और निर्देशित किया कि स्थल पर पर्याप्त संख्या में गोताखोर, जेसीबी मशीन, चिकित्सीय दल और एम्बुलेंस की व्यवस्था मौजूद रहे। इसके अलावा, मूर्तियों के विसर्जन स्थल तक पहुँचने वाले मार्गों (रूटचार्ट) का निरीक्षण किया गया और यातायात में किसी भी प्रकार के अवरोध या जोखिम को रोकने के लिए विशेष दिशा-निर्देश दिए गए।

अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि विसर्जन स्थल पर सुरक्षा, स्वच्छता, प्रकाश और यातायात व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए समन्वित प्रयास किए जाएं। इसके साथ ही लोगों की सुविधा और सुरक्षित मूर्ति विसर्जन सुनिश्चित करने हेतु प्रशासन द्वारा पूर्व में निर्धारित सभी मानक एवं उपायों का पालन किया जाए।

अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे विसर्जन स्थल पर हर समय सतर्क रहें और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहें। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से यह भी कहा कि नागरिकों की सुविधा एवं सुरक्षा सर्वोपरि है, और मूर्ति विसर्जन की प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला, उप पुलिस अधीक्षक अमन मिश्रा, तहसीलदार राकेश शुक्ला, नगर पालिका अधिकारी मिनी अग्रवाल तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शक्तिपीठों के दर्शन से भक्ति, मुक्ति की प्राप्ति होती है: बांके बिहारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। उत्सव समिति द्वारा सीधी की राजमाता की स्थापना कर श्रीमद् देवी भागवत कथा एवं विशाल भंडारे का आयोजन 1 अक्टूबर को किया गया। श्रीमद् देवी भागवत महापुराण के अंतर्गत व्यास पीठ से पंडित बांके बिहारी शास्त्री ने मां भगवती के रूपों और शक्तिपीठों का वर्णन किया।

उन्होंने बताया कि श्रीमद् देवी भागवत के अनुसार, दक्ष के यज्ञ में सती का देह त्याग होने के बाद शिव जी प्रेम में व्याकुल होकर संपूर्ण ब्रह्मांड में भ्रमण करने लगे। इस दशा को देखकर भगवान नारायण जी ने सती महारानी के शरीर को अपने चक्र सुदर्शन से 108 खंडों में काट दिया। जहां भगवती के शरीर के अंश गिरे, वही शक्ति पीठ के रूप में प्रतिष्ठित हुए।

भगवती के तीन रूप हैं – महाकाली, महालक्ष्मी, और सरस्वती। अतः हमें भगवती की आराधना से शक्ति पीठों के दर्शन से भक्ति और मुक्ति की प्राप्ति होती है। गंगा की उत्पत्ति एवं तुलसी शाला ग्राम विवाह भी बड़े धूमधाम से भक्तों के मध्य मनाया गया। इस आयोजन के मुख्य अजमान के.के. गुप्ता एवं उनके परिवार के साथ-साथ समस्त समिति के सदस्य रहे। श्रद्धालु भक्तों में जगदंबा, सुभाष सोनी, गुड़िया पांडे, विमल तिवारी, उर्मिला शर्मा, कुसुम सिंह परिहार, राजू मौर्य, पारस लाल सोनी, सुरेश सोनी, और राजेश गुप्ता शामिल थे। कथा के आज विश्राम दिवस के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 108 समस्याएँ, अधिकारियों को दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु प्रत्येक मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाती है। आज की जनसुनवाई में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने जिलेभर से आए नागरिकों की कुल 108 समस्याएँ सुनीं।

कलेक्टर सोमवंशी ने सभी प्रकरणों की गंभीरता से सुनवाई करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का समयसीमा में प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर बी. पी. पाण्डेय, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनसुनवाई से जुड़े रहे।

हादसे में मौत के बाद ग्रामीणों ने फूंका क्रशर प्लांट

मैनेजर को जिंदा जलाने की कोशिश, कई पुलिस कर्मियों को पीटा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के हर्दी गांव में सोमवार रात 50 से अधिक लोगों की भीड़ ने श्री सिद्धि विनायक स्टोन क्रशर पर आग लगा दी। इस दौरान क्रशर कर्मचारियों पर लाठी-डंडों से हमला किया गया। इस वारदात ने ना सिर्फ पूरे क्षेत्र को दहला दिया, बल्कि एक बार फिर प्रशासन की लापरवाही को उजागर कर दिया और मऊगंज के कुख्यात गड़रा कांड की यादें ताजा कर दीं।

दरअसल, यह उपद्रव कल रात करीब 10:30 बजे हुए सड़क हादसे से शुरू हुआ। क्रशर प्लांट का एक वाहन डीजल लेने निकला था। इसकी चपेट में आकर राजकुमार पटेल नामक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद मृतक के परिजन और अलग-अलग गांवों से सैकड़ों लोग जुट गए। रात करीब 12 बजे 20 से अधिक बाइक और पैदल हमलावरों ने क्रशर पर धावा बोल दिया। ये हमलावर पेट्रोल, लाठी-डंडे और रॉड लेकर आए थे।

कुछ लोगों ने मैनेजर को बचाया, सिर पर गंभीर चोट: हमले के दौरान क्रशर मैनेजर सोनू चहल (निवासी हरियाणा) से मारपीट की गई। उन्हें आग में फेंकने की कोशिश की गई। गनीमत रही कि कुछ लोगों ने जान पर खेलकर उन्हें बचा लिया। हालांकि उनके सिर पर गंभीर चोटें आई हैं।

खबर है कि इस हमले में कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। हालांकि पुलिस प्रशासन इस तथ्य को स्वीकार करने से बचता दिखा। क्रशर संचालक बबलू चहल ने बताया कि क्रशर में करीब एक करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस समय रहते सतर्क नहीं हुई।

मीडिया से दूरी, पीड़ितों से मिलने नहीं दे रहा प्रशासन: घटना स्थल पर पहुंचे अधिकारियों ने ना सिर्फ मीडिया से दूरी बनाए रखी, बल्कि किसी भी व्यक्ति को पीड़ितों से मिलने तक की इजाजत नहीं दी। इससे प्रशासन की कार्यप्रणाली और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह घटना मऊगंज के गड़रा कांड की याद दिलाती है, जहां प्रशासन की ढिलाई और जनाक्रोश के कारण बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। क्रशर संचालक बबलू चहल ने आरोप लगाया कि पुलिस अब उन्हें सीसीटीवी फुटेज तक दिखाने से मना कर रही है, जिससे मामले की पारदर्शिता पर संदेह गहरा गया है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़एक्सीलेंस सीधी में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत स्वस्थ नारी सशक्त परिवार विषय पर व्याख्यान आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी.के. सिंह के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय के सहयोग से स्वस्थ नारी सशक्त परिवार विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, तत्पश्चात नोडल अधिकारी डॉ. दिलीप कुमार सोनी ने अतिथियों का स्वागत किया। प्राचार्य डॉ. पी.के. सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि घर, परिवार और समाज में महिलाओं का स्वस्थ रहना परिवार और देश के सशक्तिकरण के लिए अत्यंत आवश्यक है।

मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. दीपारानी इसरानी, स्त्री रोग विशेषज्ञ, जिला चिकित्सालय सीधी ने महिलाओं से संबंधित समस्याओं और उनके समाधान पर प्रकाश डाला। ज्योति चौबे, सेवा निवृत्त जिला लोक स्वास्थ्य नर्सिंग अधिकारी ने अपने अनुभव साझा करते हुए महिलाओं के स्वास्थ्य और उनके परिवार में योगदान की महत्ता बताई। रितिका गौतम, काउंसलर जिला चिकित्सालय सीधी ने शासन द्वारा संचालित योजनाओं और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी और छात्रों को लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. के.एस. नेताम ने कहा कि महिलाएं समाज की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और उनका स्वस्थ रहना अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रविंद्रनाथ सिंह, जिला क्रीड़ा अधिकारी थे, आभार डॉ. सच्चिदानंद तिवारी द्वारा व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में डॉ. उमेश सोनी, डॉ. आशुतोष पाण्डेय, डॉ. कोमल पाण्डेय, डॉ. विभा कुशवाहा, डॉ. मनोज जायसवाल, डॉ. प्रतिभा सिंह, डॉ. नुसरत अली, डॉ. सज्जन सिंह, रामानुज पटेल, श्रेया शर्मा सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और व्याख्यान से लाभ प्राप्त किया।

रेही नदी में सीमेंट से लदा ट्रक पलटा

चालक-परिचालक सुरक्षित निकाले गए, बड़ा हादसा टला

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के कमर्जी थाना क्षेत्र अंतर्गत चुरहट-अमिलिया मार्ग पर मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। हटवा खास के पास रेही नदी की ढलान पर सीमेंट से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। ग्रामीणों की मदद से चालक और परिचालक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

यह घटना मंगलवार सुबह करीब 7 बजे हुई। ट्रक (क्रमांक एमपी 06 एचसी 3314) सतना से सीमेंट लेकर सीधी जिले के हटवा बरहा टोला स्थित शिव ट्रेडर्स जा रहा था। रेही नदी की ढलान पर पहुंचते ही ट्रक के ब्रेक अचानक फेल हो गए, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया और नदी में जा गिरा।

चालक रामेश्वर पनिका ने बताया कि ढलान पर ब्रेक ने काम करना बंद कर दिया था। उन्होंने ट्रक को रोकने की कई कोशिशें कीं, लेकिन वाहन अनियंत्रित होकर नदी में पलट गया। इस हादसे में चालक और परिचालक को कोई गंभीर चोट नहीं आई है, हालांकि ट्रक में लदा सीमेंट नदी किनारे बिखर गया।

कमर्जी थाना प्रभारी विवेक द्विवेदी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंच गई थी। चालक और परिचालक को सुरक्षित निकाल लिया गया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

नगर निगम अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास की तैयारी, कांग्रेस, आप और बसपा के 22 पार्षद कलेक्टर के पास पहुंचे

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। नगर निगम में अध्यक्ष देवेश पांडे (भाजपा) के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी शुरू हो गई है। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के कुल 22 पार्षद आज एक साथ कलेक्टोरेट पहुंचे और कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला से मुलाकात कर इस संबंध में उन्हें अवगत कराया।

विपक्षी पार्षदों का आरोप- विकास कार्यों में बाधा और न्याय न मिलना: पार्षदों का आरोप है कि नगर निगम अध्यक्ष देवेश पांडे अन्य दलों के पार्षदों के साथ न्याय नहीं कर रहे हैं, जिसके चलते उन्हें अविश्वास प्रस्ताव लाना पड़ रहा है। पार्षद शेखर सिंह ने कहा कि वे लगातार अपने वार्डों के विकास के मुद्दे परिषद में लाते हैं, लेकिन अध्यक्ष पांडे उन्हें वापस परिषद में भेजकर मामले को उलझा देते हैं। उन्होंने बताया कि यह कई साल से हो रहा है, जिससे पार्षदों में गहरा असंतोष है और वे अध्यक्ष को बदलना चाहते हैं। एक अन्य पार्षद अखिलेश सिंह ने आरोप लगाया कि अध्यक्ष विकास के मुद्दों पर बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। खासकर उन वार्डों में जहाँ दूसरे दलों के पार्षद हैं। उन्होंने कहा, यह हमारी मजबूरी है कि हमें अविश्वास लाना पड़ रहा है।

कलेक्टर ने दिया 3 अक्टूबर का समय, बहुमत जुटाने का दावा: पार्षदों ने बताया कि उन्होंने कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला से मुलाकात की है। कलेक्टर ने उन्हें 3 अक्टूबर का समय दिया है, जिस दिन अविश्वास प्रस्ताव में शामिल सभी 22 पार्षदों के बयान दर्ज किए जाएंगे और उसके बाद निगम एक्ट के तहत प्रस्ताव को मंजूरी दी जाएगी। पार्षद परमेश्वर पटेल ने बहुमत जुटाने का दावा करते हुए कहा कि उन्हें 45 वार्ड के पार्षदों के हिसाब से वोटिंग के दिन 32 पार्षदों की जरूरत होगी, जो उन्हें मिल जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फ कांग्रेस, आप और बीएसपी के ही नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी के कुछ पार्षद भी अध्यक्ष को हटाने के लिए उनके पक्ष में वोट करेंगे।

02 अक्टूबर को शुष्क दिवस घोषित

सीधी। मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए अधिसूचित शुष्क दिवसों में 02 अक्टूबर (महात्मा गांधी जयंती) को शामिल किया गया है।

जाहिर आम सूचना

क्र0-13/25 दिनांक-30/09/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मुकेश कुमार सौंधिया पिता श्री जमुना सौंधिया, निवासी ग्राम कोलहाई पावर हाउस के पास, तहसील सिरमौर, जिला रीवा (म0प्र0) ने भूमि खसरा नं0-121/4/2 रकवा 15×40 = 600 वर्गफिट स्थित ग्राम/मौजा इटौरा, पटवारी हल्का इटौरा, तहसील हुजूर नगर, जिला रीवा (म0प्र0) को बंधक कर शुभम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा रीवा (म0प्र0) से वित्तीय सहायता प्राप्त की जा रही है, जिसमें मूल विक्रय पत्र क्रमांक MP328492016A1571238 दिनांक 07/10/2016 वर्तमान भूमिस्वामी मुकेश कुमार सौंधिया से कहीं गुम हो गई है, जो काफी खोजबीन के पश्चात नहीं मिल रही है। जिसके संबंध में मुकेश कुमार सोधिया द्वारा दिनांक 23/09/2025 को थाना विश्वविद्यालय जिला रीवा (म0प्र0) में लिखित शिकायत की गई है। उक्त विक्रय पत्र एवं ऋण के संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई भी आपति हो तो वह इस प्रकाशन के सात दिवस के अंदर मेरे कार्यालय अथवा शुभम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा रीवा (म0प्र0) में प्रस्तुत करे। प्रकाशन दिनांक से सात दिवस के पश्चात कोई आपति मान्य व स्वीकार नही होगी तथा भावी ऋण प्रदान कर दिया जावेगा।

भवदीय
राजेन्द्र त्रिपाठी एडवोकेट,
रीवा (म0प्र0)

दिव्यांगजनों के लिए उद्यमिता विकास प्रशिक्षण सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आरसेटी एवं मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला सीधी के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम पंचायत ताला विकासखंड मझौली में दिव्यांगजनों हेतु 6 दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना तथा उन्हें रोजगार के अवसरों से जोड़ना था। प्रशिक्षण के माध्यम से दिव्यांग प्रतिभागियों को यह बताया गया कि वे किस प्रकार स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर जीवन व्यतीत कर सकते हैं। स्व-सहायता समूह से जुड़ी दिव्यांगजन को सीसीएल एवं सामुदायिक निवेश निधि के माध्यम से राशि उपलब्ध कराई जाएगी, वहीं समूह से न जुड़े दिव्यांगजनों को मुद्रा लोन एवं बैंक की अन्य योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। प्रतिभागी कंप्यूटर दुकान, किराना, मनिहारी, सब्जी विक्रय, बर्तन निर्माण एवं ठेला व्यवसाय जैसे उद्यम प्रारंभ कर सकेंगे।

समापन अवसर पर जिला पंचायत सदस्य सुमन कोल मुख्य अतिथि रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत ताला की सरपंच प्रियंका ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में आरसेटी निदेशक शिवेंद्र चौधरी एवं जिला प्रबंधक आदेवेश मिश्रा उपस्थित रहे। इस अवसर पर दिव्यांग प्रतिभागियों ने आत्मनिर्भर बनने के अपने संकल्प साझा किए और व्यवसायिक योजनाओं पर चर्चा की। प्रशिक्षण में ग्राम पंचायत ताला, तिलवारी, छुही, गजरी एवं कर्माई के कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण प्रदान करने में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा, रानी साकेत, सुमन गिरी, आईसीटी डायरेक्टर शिवेंद्र कुमार चौधरी, संतोष कुमार साहू, आजीविका मिशन प्रबंधक चंद्रकांत सिंह, संजीव सिंह तथा सहायक विकासखंड प्रबंधक ने भूमिका निभाई। छह दिवसीय प्रशिक्षण का संचालन संतोष कुमार साहू द्वारा किया गया।

एस.एन.सी.यू. वार्ड में ऑक्सीजन सप्लाई बाधित नहीं हुई -सिविल सर्जन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. एस. बी. खरे ने जानकारी देकर बताया कि 27 सितम्बर को प्रातः लगभग 11 बजे एस.एन.सी.यू. वार्ड में ऑक्सीजन फ्लो का प्रेशर कम होने की सूचना प्राप्त हुई। इस पर तत्काल आर.एम.ओ. एवं ऑक्सीजन टेक्नीशियन द्वारा निरीक्षण किया गया और ऑक्सीजन प्लांट से प्रेशर बढ़ाकर 3 से 4 मिनट के भीतर सप्लाई सामान्य कर दी गई। इस दौरान किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न नहीं हुई। उन्होंने स्पष्ट किया है कि एस.एन.सी.यू. की ऑक्सीजन सप्लाई पूर्णतः बाधित नहीं थी, केवल प्रेशर लो हो रहा था। साथ ही वार्ड के अंदर भरे हुए ऑक्सीजन सिलेंडर एवं ऑक्सीजिनेटर मशीनें पर्याप्त संख्या में चालू हालत में उपलब्ध थीं, जिनकी आवश्यकता उस समय नहीं पड़ी क्योंकि सप्लाई तत्काल बहाल कर दी गई थी।

सिविल सर्जन ने बताया कि जिला चिकित्सालय सीधी के तीनों ऑक्सीजन प्लांट सुचारू रूप से कार्यरत हैं और सभी वार्ड इनसे जुड़े हुए हैं। किसी भी प्लांट के बंद होने की स्थिति में अन्य प्लांट से तुरंत ऑक्सीजन सप्लाई सुनिश्चित की जा सकती है।उन्होंने बताया कि प्रारंभिक रूप से ऐसा प्रतीत हुआ था कि ऑक्सीजन सप्लाई में छेड़छाड़ की गई है, किंतु संयुक्त निरीक्षण उपरांत ऐसे कोई तथ्य सामने नहीं आए। घटना के समय अस्पताल के सभी कर्मचारी एवं सुरक्षा गार्ड अपनी ड्यूटी पर उपस्थित थे।

क्रिकेट में 'ऑपरेशन सिंदूर'

संपादकीय

'एशिया कप' में टीम इंडिया ने 9वीं बार ट्रॉफी जीती है। अपराजेय चैंपियन..! 'प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट' अभिषेक शर्मा बने, जिन्होंने अप्रतिम, अभूतपूर्व 314 रन बनाए और कुछ शानदार कैच भी लपके। पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मुकाबले में तिलक वर्मा ने नाबाद 69 रन ठोंक कर 'प्लेयर ऑफ दि मैच' का सम्मान अर्जित किया। कुलदीप यादव कुल 18 विकेट लेकर 'सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज' आंके गए। मैच में वरुण चक्रवर्ती, बुमराह, अक्षर पटेल की गेंदबाजी ने भी मैच पलटे। ये सभी भारतीय युवा और हुनरमंद क्रिकेटर हैं। आज टीम इंडिया टी-20 की विश्व चैंपियन, नंबर वन और एशिया चैंपियन टीम है। 'एशिया कप' का अंतिम मुकाबला वाकई रोमांचक, धडक़नें बढ़ा देने वाला रहा। टीम इंडिया ने इसी टूर्नामेंट में पाकिस्तान की टीम को लगातार तीन बार रौंदा, नतीजतन पाकिस्तान की अवाम ही मजाक उड़ाने लगी है-'इतना क्यों मारते हो डैडी?ज्जब पता है कि इंडिया बाप है, तो उसके खिलाफ खेलते क्यों हो?ज्हार गई, हार गई, फिर टीम हार गई।' टीम इंडिया ने उसे 7 विकेट, 6 विकेट और 5 विकेट से पराजित किया। बेशक फाइनल में एक वक्त टीम पाकिस्तान एक विकेट खोकर 113 रनों की 'पहाड़ी चुनौती' पेश कर चुकी थी। विशेषज्ञ आंक रहे थे कि पाकिस्तान 200 रन तक भी पहुंच सकता है, लेकिन हमारे गेंदबाजों ने अत्यंत सटीक, धारदार और रहस्यमयी गेंदबाजी कर शेष 9 विकेट मात्र 33 रनों पर ही बिखेर दीं। यह धोना, रौंदना नहीं हुआ, तो क्या है? बेशक भारत ने भी पहली तीन महत्वपूर्ण विकेट बहुत जल्द गंवा दीं। पूरे मैच के दौरान आंखें मूंदनी, फिर खोलनी पड़ीं, सांसें रुकती सी रहीं, निराश भी हुए, लेकिन चौका-छक्का लगता, तो उम्मीद बंधने लगती। रन गति 5-6 के बीच ही रही। अनिवार्य रनों का औसत बढ़ता रहा, लेकिन तिलक वर्मा ने, संजू और शिवम दुबे के साथ, कुछ खूबसूरत पारियां खेलीं। रिंकू सिंह के हिस्से एक ही गेंद आई, जिस पर उन्होंने जीत का चौका जड़ कर टीम इंडिया को 'एशिया का चैंपियन' बना दिया। खेल के मैदान पर इससे भी रोमांचक पल तब सामने आए, जब भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एसीसी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों 'चैंपियनशिप की ट्रॉफी' लेने से इंकार कर दिया। मोहसिन पाकिस्तान के गृहमंत्री और क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं। टीम इंडिया ने स्पष्ट कर दिया कि वह हत्यारों और जंग छेडऩे वालों के हाथों 'चैंपियनशिप का सम्मान' कबूल नहीं करेगी। काफी देर तक मैदान पर 'हाईवोल्टेज ड्रामा' जारी रहा, टीम इंडिया को मनाने की कोशिशें की गईं, लेकिन जो राष्ट्रवादी फैसला हमारे क्रिकेटरों ने आपसी विमर्श में लिया था, उस पर वे अडिग रहे।

पेचकस हमारा, माल तुहारा

पीए सिद्धार्थ

झुन्नू जी की वर्कशॉप के बाहर लगे नए होर्डिंग ने मेरा ध्यान खींचा- 'पेचकस हमारा, माल तुम्हारा।' बाईं ओर उनकी टिकट जितनी तस्वीर और दाईं ओर आदमकद 'अवतारी जी' मुस्कराते नजऱ आ रहे थे। मुझे यह नारा पहले-पहल समझ नहीं आया, इसलिए मैं अंदर वर्कशॉप में गया, जहां वे एक कारीगर को डांट रहे थे, 'प्रधानमंत्री स्वदेशी का नारा दे रहे हैं और तुम्हें अभी तक पेचकस पकडऩा नहीं आया। सारा माल चाइनीज़ है तो क्या हुआ, कम से कम उसे जोड़ तो यहीं रहे हैं।' मैंने पूछा, आखिर 'पेचकस हमारा, माल तुम्हारा' का मतलब क्या?' वे हंसकर बोले, 'अरे भोले! गलवान के बाद बायकॉट चाइना का नारा याद नहीं? अब पूरा सामान नहीं मंगाते, पाट्र्स मंगवाते हैं और जोड़ते यहीं हैं। इससे स्वदेशी का भ्रम भी बना रहता है और संतोष भी कि भारत में कुछ तो बन रहा है। जैसे आईफोन यहीं असेंबल होता है और ठप्पा 'मेक इन इंडिया' का। प्यूमा-नाइकी जैसे ब्रांड वियतनाम में बनते हैं, पर हम उन्हें यहीं बेचते हैं, यही स्वदेशी है।' मैंने तीखे स्वर में कहा, 'क्यों न सारा माल यहीं बने और विदेशों में बिके? अपने स्टार्टअप शुरू करें।' अब झुन्नू गंभीर हुए, 'स्टार्टअप की हवा तो नोटबंदी ने निकाल दी। आज भी लाखों कारीगर बेरोजग़ार हैं। असंगठित क्षेत्र जीडीपी में नहीं गिना जाता, जबकि वही रोजग़ार देता था। चीन के साथ व्यापार आठ गुना असंतुलित है। ऐसे में स्वदेशी कैसे फलेगा? कल छननी खरीदी तो 'मेड इन चाइना' निकली। भारतीय छननी की क्वालिटी घटिया थी। हमारे बाज़ारों में आधे से ज़्यादा सामान विदेशी हैं।' मैं चुप ही रहा। वे आगे बोले, 'तालियां-थालियां बजाने वाले देश में स्वदेशी सफल कैसे होगा, जब नेता खुद विदेशी सामान इस्तेमाल करते हैं, अपने बच्चे विदेश भेजते हैं? गांधी चरखा चलाते थे, अपनी बुनी खादी पहनते थे। अब अवतारी फोटो खिंचवाने के लिए चरखे के पास बैठते हैं। खादी भंडारों के बाहर उनके बड़े-बड़े पोस्टर हैं और गांधी की तस्वीर सिकुड़ रही है। डर है, देश भी स्टैम्प साइज़ न हो जाए। हो सकता है नया 'राष्ट्रपिता' मिल जाए, पर उसका चरित रसीदी टिकट पर ही समा जाएगा।'

उनकी बातें सुनकर मैं सोच रहा था कि कई बार ठहाके लगा कर हंसना महान उपलब्धि नहीं होती, हल्की सी मुस्कान के साथ जी लेना महाभारत जीतने जैसा होता है। विदेश नीति को हंसी-ठट्ठे में बदलने वाले अवतारी अंग्रेज़ी में हाथ तंग होने के कारण अपनी अयोग्यता और हीनभावना को छिपाने के लिए विदेशों में जिस अंदाज़ में ठहाके लगाते हैं, वे ठहाके देश में प्रवेश करते खो जाते हैं। बड़े-बड़े मंचों से स्वदेशी की घोषणा करने वाले चुनाव जीतने के लिए कमज़ोर तबकों के खातों में डायरेक्ट ट्रांसफर करने के बाद इसी तरह छुट्टी पा लेते हैं। क्या हमारा स्वदेशी अभियान इसी अंदाज़ में चलेगा? धर्म के नाम पर भक्ति ज्ञान को खा गई, भक्ति अंधविश्वास को और अंधविश्वास को कर्मकांड कोज। अब अज्ञानांधकार ही शेष बच रहा है, जो आज के देश की नियति बनती जा रही है। किसान को व्यापारी, व्यापारी की उद्योगपति, उद्योगपति को नेता और उद्योगपति को मृतप्राय विज्ञान का नया भूत, जिसे आर्टिफिशियल के नाम से जाना जाता है, निगल जाने के लिए बेताब है। अचानक झुन्नू जी की आवाज़ सुनाई दी, 'तुम जो सोच रहे हो, मैं भी वही सोच रहा हूं। लेकिन चिंता मत करो। जागे नहीं तो सबका नंबर आएगा। सरकारें जब निरंकुश अहंकार, निर्दयी लोभ एवं भयरूपी त्रिदोष रोग से ग्रस्त मृत्यु शैया पर पड़ी-पड़ी, आक्रामक अट्टहास का प्रदर्शन कर रही हों, तो समझो नेपथ्य में नाटक के उपसंहार की इबारत लिखने का समय आ चुका है। लेकिन शताब्दियों के संवेदनहीन, उदासीन और तटस्थ समाज को क्या फर्क पड़ता है। कोऊ नृप होय हमें क्या हानि? पाश के शब्दों में कहें तो, सबसे ख़तरनाक होता है मुर्दा शांति से भर जाना, तड़प का न होनाज। हां, अगर तुम भी आगे जा रहे तो मैं भी चलता हूं। पेचकस के नए सैट खरीदने हैं। कारीगर मांग रहे थे। आखिर मामला स्वदेशी का है। विदेशी माल देश में एसेंबल तो करना ही पड़ेगा।'

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शतादी: सेवा, समरसता और पुनरुत्थान का संकल्प

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

सेवा के आंकड़े और अनुभवः आरएसएस की ताकत उसकी सेवा-परंपरा में दिखती है। कोविड-19 महामारी के दौरान सेवा भारती और संघ के स्वयंसेवकों ने 118 कोविड देखभाल केंद्र और 287 आइसोलेशन केंद्र चलाए। 4,193 प्लाज्मा दान की सुविधा दी गई और हेल्पलाइन पर 88 हजार से अधिक कॉल संभाले गए। 92,656 सेवा स्थलों से 73 लाख राशन किट, 45 लाख भोजन पैकेट और 90 लाख मास्क वितरित हुए। क्या ये महज आँकड़े हैं या यह उस संगठन की क्षमता का प्रमाण है जो बिना सरकारी ढांचे के भी लाखों लोगों तक पहुंच बना सकता है

देखा जाए तो यह सेवा केवल कोविड तक सीमित नहीं रही। 1947 में विभाजन के समय शरणार्थी शिविरों में मदद, 1962 और 1971 के युद्धों के दौरान सहयोग, 1984 के दंगों में सिखों को शरण और 2001 के गुजरात भूकंप में पुनर्निर्माण का समय क्यों न रहा हो, ये सभी उदाहरण बताते हैं कि संघ संकट की घड़ी में मौन रहकर काम करता है। यही कारण है कि आलोचना के बीच भी समाज के बड़े हिस्से में उसे भरोसे की नजर से देखा जाता है।

संगठन का फैलावः मार्च 2025 तक संघ की शाखाओं की संख्या 83 हजार से अधिक हो चुकी है। इनमें 52 हजार दैनिक और 22 हजार साप्ताहिक शाखाएं शामिल हैं। एक वर्ष में शाखाओं की संख्या में 10 हजार की वृद्धि दर्ज हुई है। यह निश्चित तौर पर संगठनात्मक रूप से सामाजिक आधार की मजबूती का संकेत है।

शताब्दी और पंच परिवर्तनः संघ ने अपनी शताब्दी पर ÷पंच परिवर्तन÷ का आह्वान किया है, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण चेतना, स्व और कर्तव्य बोध। सवाल यह है कि क्या ये पांच सूत्र केवल आंतरिक नारे हैं या इन्हें समाज के व्यापक विमर्श में बदलने की क्षमता संघ के पास है सामाजिक समरसता पर संघ की पहल ध्यान देने योग्य है। अनुसूचित जाति एवं जनजाति और वंचितों के लिए मंदिर प्रवेश अभियान, हाशिए के वर्गों से पुजारियों का प्रशिक्षण, एकल विद्यालयों के जरिए अजजा बच्चों की शिक्षा ये प्रयास दिखाते हैं कि संघ जातिगत विभाजन के मुद्दे को केवल बहस में नहीं, व्यवहार में भी संबोधित करने की कोशिश कर रहा है।

जाति विमर्श और ऐतिहासिक संदर्भः आरएसएस बार-बार कहता रहा है कि जाति व्यवस्था जन्म आधारित नहीं, बल्कि गुण और कर्म आधारित थी। भगवद्गीता का हवाला दिया जाता है कि समाज का विभाजन कर्म और स्वभाव से हुआ था। सवाल उठता है कि अगर यह परंपरा इतनी समानतामूलक थी तो समाज में जातिगत भेदभाव क्यों कायम हुआ संघ का तर्क है कि औपनिवेशिक शासन ने जनगणना और ÷मार्शल रेस÷ जैसी अवधारणाओं से जातियों को कठोर बनाया। अंग्रेजों ने प्रशासनिक सुविधा के लिए लोगों को जातियों में बाँटा और यह विभाजन समाज में स्थायी हो गया। आलोचक इसे इतिहास का सरलीकरण मानते हैं, किंतु यक इस तथ्य को किसी भी स्तर पर नकारा जा सकता है कि उपनिवेशकालीन नीतियों ने जातीय पहचान को मजबूत किया स्वभाविक है, नहीं, इसलिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस संदर्भ में जो कह रहा है वह सत्य ही है।

स्वतंत्रता संग्राम का प्रश्नः आलोचक अकसर पूछते हैं कि संघ ने स्वतंत्रता आंदोलन में क्या किया। गांधीजी की हत्या के बाद लगा प्रतिबंध आज भी इस प्रश्न को जीवित रखता है। लेकिन संघ के दस्तावेज बताते हैं कि 1930 की पूर्ण स्वराज घोषणा का समर्थन शाखाओं ने किया, 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में विदर्भ के चिमूर-आष्टी विद्रोह में स्वयंसेवक शहीद हुए और अरुणा आसफ अली जैसे नेताओं को आश्रय दिया गया। संघ राजनीतिक मोर्चे पर नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक आधार को मजबूत करने पर केंद्रित रहा। यह रणनीति सही थी या गलत, इसका मूल्यांकन इतिहासकारों के मतभेदों में ही संभव है। पर जो बात साक्ष्यों में बार-बार निकलकर सामने आई है, वह यही है कि भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन में संघ स्वयंसेवकों का बड़ा योगदान रहा है।

स्वतंत्रता के बाद का योगदानः स्वतंत्र भारत में संघ का जोर राष्ट्र निर्माण पर रहा। विद्या भारती, सेवा भारती, वनवासी कल्याण आश्रम और सरस्वती शिशु मंदिर जैसे संगठनों ने शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में बड़ा नेटवर्क खड़ा किया। आपदाओं के समय राहत पहुंचाने में संघ की तत्परता ने उसे स्थानीय स्तर पर स्वीकार्यता दिलाई। दार्शनिक स्तर पर दीनदयाल उपाध्याय का ÷एकात्म मानववाद÷ और दत्तोपंत ठेंगड़ी का वैकल्पिक आर्थिक चिंतन संघ से जुड़े विचारकों की देन है। इन विचारों ने भारत को पूंजीवाद और समाजवाद के बीच तीसरा रास्ता सुझाने की कोशिश की।

आलोचना और प्रतिबंधः गांधीजी की हत्या के बाद 1948, आपातकाल के दौरान 1975 और बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद 1992 में संघ पर तीन बार प्रतिबंध लगा। हर बार वह और मजबूत होकर लौटा। आलोचक इसे राजनीतिक संरक्षण मानते हैं, समर्थक इसे संगठन की आंतरिक शक्ति। सच्चाई निश्चित तौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचार में है जो भारत माता के लिए अपना सवस्व समर्पण कर देने की प्रेरणा सतत देती है। इसलिए संघ ने स्वयं को राजनीतिक दल की तरह नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संगठन की तरह प्रस्तुत किया है।

भविष्य की राह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघः सवाल यह है कि संघ की अगली सदी कैसी होगी। क्या वह केवल सामाजिक संगठन बना रहेगा या वैश्विक भारत के एजेंडे में भी भूमिका निभाएगा संघ का कहना है कि भविष्य की चुनौतियां केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, मीडिया और डेटा केंद्रों में होंगी। युवाओं से अपेक्षा है कि वे कौशल और सेवा में योगदान दें, पेशेवर अपनी प्रतिभा को समाज की समस्याओं में लगाएं, माता-पिता बच्चों को गीता और एआई दोनों सिखाएं और बुजुर्ग अनुभव से नई पीढ़ी को दिशा दें।

अत- कहना यही होगा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पहली सदी ने आज सिद्ध कर दिया है कि यह संगठन सेवा और समरसता के जरिए समाज को जोड़ने के अपने अथक प्रयास अनेक रूपों में कर रहा है। आलोचना और विवाद उसके साथ जुड़े रहेंगे, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि लाखों स्वयंसेवकों का निस्वार्थ योगदान भारत की सामाजिक संरचना को प्रभावित करता रहा है और आज भी कर रहा है। भारत निरंतर शक्ति सम्पन्न जो दिखाई देता है, उसमें स्वयंसेवकों की बहुत बड़ी भूमिका है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत उनके मंत्री परिषद के कई सदस्य स्वयंसेवक हैं, इसका महत्व इसी से समझा जा सकता है। अन्य उदाहरण फिर तमाम है हीं।

वस्तुत- संघ की शताब्दी तीन संदेश देती है; पिछली सदी अगर लचीलेपन की थी तो अगली पुनरुत्थान की होगी। पिछली सदी अगर जागृति की थी तो अगली क्रियाशीलता की होगी। पिछली सदी अगर अस्तित्व की थी तो अगली नेतृत्व की होगी। सवाल यही है कि जब इतिहास हमें पुकारेगा, तब हम दर्शक बनेंगे या सहभागी। भारत माता तालियां नहीं, कर्म मांगती है। सौ वर्ष पूरे करने के बाद संघ ने जो संकल्प लिया है, वह केवल उसका नहीं, पूरे समाज का है। अब देखना यही होगा कि अगली सदी में यह संगठन ÷मौन तपस्वी साधक बनकर÷ भारत को कितनी शक्तिशाली दिशा में लेकर जाता है!

दशहरा : मनुष्य को रावण बनने से बचना होगा

प्रो (डा.) मनमोहन प्रकाश

दशहरा भारत का ऐसा पर्व है जो केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना का भी वाहक है। यह पर्व हमें यह स्मरण कराता है कि चाहे किसी के पास रावण जैसी अपार शक्ति, ज्ञान और समृद्धि क्यों न हो, यदि वह अहंकार और अधर्म से दूषित है तो उसका पतन निश्चित है। त्रेतायुग की रामकथा इसका प्रमाण है, जब भगवान श्रीराम ने रावण का वध कर धर्म, सत्य और मर्यादा की पुनर्स्थापना की। तभी से प्रत्येक वर्ष दशहरे पर रावण दहन के माध्यम से समाज को यह सन्देश दिया जाता है कि काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, अन्याय, अत्याचार और छल जैसी प्रवृत्तियाँ अंततः मनुष्य को रावण बना कर विनाश की ओर ले जाती हैं।

दशहरा उत्सव केवल औपचारिकता के रूप में रावण का पुतला जलाने तक सीमित न रह जाए, यही इसकी आत्मा है। असली चुनौती मनुष्य द्वारा अपने भीतर छिपे रावण को पहचानने और उसे समाप्त करने की है। यदि हम बाहर के रावण को जलाते रहेंगे लेकिन भीतर के रावण को पोषित करते रहें, तो दशहरे का सन्देश अधूरा रह जाएगा। आज समाज में कई ऐसी बुराइयाँ पनप रही है जिनकी जड़ें गहराई तक प्रवेश करती जा रही हैं। चिंता का विषय यही है कि कहीं ये बुराइयां मनुष्य को धीरे-धीरे रावण की श्रेणी में ला कर खड़ा न कर दे?रावण में निहित निम्न बुराइयां आज के मनुष्य के एक बड़े वर्ग में सहजता से देखी जा सकती हैः-

अहंकारः आज के मानव में धन, पद, शक्ति या ज्ञान पाते ही घमंडी व्यवहार करना आम हो गया है। यही रावण का मूल दोष था।

क्रोधः छोटी-सी-छोटी बात पर आज के मानव द्वारा हिंसा का सहारा लिया जाता है।क्रोध के कारण घरेलू कलह, सड़क पर झगड़े और अपराध बढ़ रहे हैं। यह न केवल पारिवारिक शांति को भंग कर रहे हैं, बल्कि सामाजिक सौहार्द को भी कमजोर कर रहे हैं।

लोभः भौतिक सुख और धन की अंधी दौड़ ने मनुष्य में भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और शोषण को जन्म दिया है। वास्तव में लोभ ही अनैतिक आचरण की जड़ है,यह मनुष्य को समझना होगा।

वासनाः आज के समाज में यौन अपराधों और अनैतिक संबंधों की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। विडम्बना यह है कि रामायण का रावण, जिसने सीता-हरण किया, सीता को लंका की रानी बनाने की अनैतिक इच्छा भी रखी पर उसने कभी भी उन्हें जबरन हवस का शिकार नहीं बनाया। इसके विपरीत आज का विकृत मनुष्य- रिश्तों, उम्र और मर्यादाओं की परवाह किए बिना नारी की गरिमा को ठेस पहुंचा रहा है और अस्मिता को रौंद रहा है।

असत्य और छलः झूठ, वादाखिलाफी और धोखा आज जीवन का हिस्सा बनते जा रहे हैं, जिससे आपसी विश्वास टूट रहा है।

ईर्ष्या और द्वेषः भारत जैसे देश में जाति, धर्म, भाषा या वर्ग के आधार पर नफरत फैलाना, दूसरों की प्रगति से असहज होना, सामाजिक सौहार्द को कमजोर करना और विघटनकारी ताकतों को बल देने जैसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं।यह देश की प्रगति के लिए किसी भी दृष्टि से सही नहीं है।

अनुशासनहीनताः किसी भी समाज के व्यक्तियों द्वारा कानून और संविधान की अवहेलना, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाना, कानून को अपने हाथों में लेना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।हमारे देश में इस तरह की घटनाएं आए दिन देखने को मिलती हैं।क्या यह सामाजिक पतन का प्रतीक नहीं है?देश वासियों को इस पर विचार करना होगा।

करूर हादसे के सबक : भीड़ नियंत्रण के लिए ठोस रणनीति बनाना आवश्यक

हमारे देश में भीड़ में मची भगदड़ में आम आदमी का दब कुचलकर मरना अब एक परंपरा सी बन गयी है। कुंभ के मेले से लेकर खेल के मैदान, राजनेताओं की सभा, फिल्म सितारों के जश्न, कथावाचकों के पांडालों और धार्मिक आस्था के केंद्र मंदिरों तक बार बार इन घटनाओं की पुनरावृत्ति हो रही है। ऐसी घटनाओं में हर बार आम आदमी ही मारा जाता है। बार बार हो रहे ऐसे हादसों से फिलहाल तो कोई सबक नहीं लिया गया है लेकिन अब समय आ गया है कि भीड़ नियंत्रण के लिए राष्ट्र व्यापी ठोस रणनीति बनायी जाए ।

(मनोज कुमार अग्रवाल -विनायक फीचर्स)

देश के किसी न किसी हिस्से से कुछ समय के अंतराल पर ऐसी खबरें आती ही रहती है। दुःखद पहलू यह है कि जब भी ऐसी कोई खबर आती है, तो दुःख जताने के साथ जांच कमेटी बैठा दी जाती है। साथ ही मुआवजा देकर मरहम लगाकर लीपापोती कर दी जाती है, लेकिन इससे सबक लेते हुए इसको रोकने के लिए कदम कम ही उठाये जाते हैं। इसी कड़ी में तमिलनाडु के करूर में टीवीके प्रमुख और अभिनेता विजय की रैली के दौरान मची भगदड़ में मृतकों की संख्या बढ़कर 40 हो गई है। स्वास्थ्य सचिव पी सेंथिल कुमार ने बताया 38 शवों की पहचान कर ली गई है और 67 घायलों का उपचार जारी है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मृतकों और घायलों के परिजनों के लिए मुआवजे की घोषणा कर दी है। अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी टीवीके ने करूर में हुई रैली में हुई भगदड़ के पीछे डीएमके की साज़िश का आरोप लगाया है। इस भगदड़ में 39 लोग मारे गए और लगभग 100 घायल हुए। टीवीके के वकील अरिवझगन ने बताया है कि पार्टी ने मद्रास उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की है जिसमें अदालत से एक विशेष जांच दल गठित करने या मामले को केंद्रीय एजेंसी सीबीआई को सौंपने का आग्रह किया गया है।

मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। मृतकों का आकंड़ा बढ़ने की आशंका है। इस साल 2025 में मंदिरों, रेलवे स्टेशन और महाकुंभ में भगदड़ में कई लोगों की जान गई है। देश में पिछले दो दशक में दो दर्जन बार भगदड़ में करीब 1500 लोगों की जानें गई हैं, जबकि हजारों लोग घायल हुए हैं।

2025 को भगदड़ दुर्घटनाओं का साल कहा जाए तो गलत नहीं होगा। साल की शुरुआत 8 जनवरी, 2025

तिरुमाला हिल्स में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में वैकुंठ द्वार दर्शनम के लिए टिकट लेने के लिए सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच हुई धक्का-मुक्की में छह श्रद्धालुओं की जान चली गई। दर्जनों लोग घायल हो गए।

महाकुंभ के दौरान 29 जनवरी को संगम क्षेत्र में भगदड़ मच गई। मौनी अमावस्या के अवसर पर लाखों तीर्थयात्री स्नान के लिए जगह पाने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे थे। भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई, 60 लोग घायल हो गए। आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के जश्न में बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हादसा हो गया। विक्ट्री परेड शुरू होने से पहले अचानक भीड़ बेकाबू हो गई, जिससे भगदड़ मची। इस हादसे में 11 लोगों की जान चली गई और कम से कम 50 लोग घायल हुए। 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 14 और 15 पर भगदड़ मच गई। भगदड़ में 18 लोगों की जान चली गई, 15 घायल हो गए।

तीन मई को गोवा के शिरगाओ गांव में श्री लैराई देवी मंदिर के वार्षिक उत्सव के दौरान मची भगदड़ में 6 लोगों की मौत और करीब 100 लोग घायल हो गए।

इससे पहले 4 दिसंबर 2024 को हैदराबाद में अल्लू अर्जुन की ब्लॉकबस्टर पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग के दौरान मची भगदड़ में 35 वर्षीय महिला की मौत हो गई।

तीन जुलाई 2024 को उत्तर प्रदेश के हाथरस में स्वयंभू बाबा भोले बाबा उर्फ नारायण साकार हरि द्वारा आयोजित सत्संग (प्रार्थना सभा) में भगदड़ से 121 लोगों की मौत हो गई.।

मध्य प्रदेश के इंदौर में एक मंदिर में 31 मार्च 2023 को रामनवमी के अवसर पर आयोजित हवन समारोह के दौरान बावड़ी या कुएं के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों की जान चली गई।

2022 के पहले दिन जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण मची भगदड़ में 12 लोगों की मौत हो गई।

29 सितंबर 2017 को मुंबई में पश्चिमी रेलवे के एलफिंस्टन रोड स्टेशन को मध्य रेलवे के परेल स्टेशन से जोड़ने वाले पुल पर मची भगदड़ में 23 लोगों की मौत हो गई।

गोदावरी नदी के तट पर 14 जुलाई 2015 को हुई भगदड़ में 27 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई, 20 घायल हो गए। दशहरा समारोह 3 अक्टूबर 2014 को मेला समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में मची भगदड़ में 32 लोगों की मौत हो गई। इससे पहले 13 अक्तटूबर 2013 को मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि उत्सव के दौरान भगदड़ में 115 लोगों की जान चली गई और 100 से अधिक घायल हो गए।

19 नवंबर, 2012 को पटना में गंगा नदी के किनारे अदालत घाट पर छठ पूजा के दौरान पुल के ढह जाने से मची भगदड़ में 20 लोग मारे गए। 8 नवंबर, 2011को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे घाट पर भगदड़ मचने से 20 लोग मारे गए थे।

14 जनवरी, 2011केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में जीप के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालु मारे गए, 40 से अधिक घायल हो गए।

4 मार्च, 2010 उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में लगभग 63 लोग मारे गए। 30 सितंबर, 2008 राजस्थान के जोधपुर में चामुंडा देवी मंदिर में बम विस्फोट की अफवाहों के कारण मची भगदड़ में 250 श्रद्धालु मारे गए, 60 से अधिक घायल हो गए। 3 अगस्त, 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में चट्टान गिरने की अफवाह उड़ी, जिसमें 162 लोग मारे गए। 25 जनवरी, 2005 महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर मेंथा मे थे वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान 340 से अधिक श्रद्धालु कुचलकर मारे गए। 27 अगस्त, 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ में 39 लोग मारे गए।

वास्तविकता यही है कि अपने देश में भीड़ नियंत्रण को लेकर ठोस रणनीति नहीं है और यही कारण है कि ऐसे हादसे होते ही रहते हैं। जरूरत है कि भगदड़ जैसी होने वाले त्रासदी को रोकने के लिए नई रणनीति के तहत काम किया जाए। साथ ही भीड़ एकत्र करने वाले आयोजन कर्ताओं की भी साफ एवं स्पष्ट जबावदेही तय की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

स्वच्छ, सुंदर, सुनियोजित, सुव्यवस्थित, संस्कारित और सुविधापूर्ण शहर बनाने के लिए करें काम

स्वच्छता के लिए राष्ट्रीय स्तर परड्ड पुरस्कृत छत्तीसगढ़ के सभी सात शहर एक-एक और शहर की रैंकिंग सुधारने में करेंगे

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव की मौजूदगी में शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने आज 14 नगरीय निकायों के बीच करार (MoU) हुआ। इन समझौतों में संबंधित नगरीय निकायों के महापौरों, अध्यक्षों, आयुक्तों और सीएमओ ने हस्ताक्षर किए। केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय की नई पहल 'स्वच्छ जोड़ी शहर' के तहत स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत छत्तीसगढ़ के सभी सात शहर एक-एक और शहर की रैंकिंग सुधारने में मदद करेंगे। इसके लिए आज समझौता ज्ञापन में हस्ताक्षर के साथ ही नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा 'स्वच्छ शहर जोड़ी संवाद' का आयोजन किया गया। प्रदेश के सभी 192 नगरीय निकाय इससे वर्चुअली जुड़े। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में आयोजित कार्यक्रम में आरडीएफ ट्रैकिंग पोर्टल, व्हाट्स-अप चैटबॉट तथा स्वच्छता लीग के हिन्दी टूलकिट को भी लॉन्च किया। भारत सरकार के नवीन अभियान स्वच्छ शहर जोड़ी के तहत स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शहर अपने राज्य के उन शहरों को जो स्वच्छ सर्वेक्षण में अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं, उन्हें अपने अनुभवों का लाभ प्रदान कर स्वच्छता में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित और सहयोग करेंगे। इसके लिए आज मेन्टोर (Mentor) शहर एवं मेन्टी शहरों द्वारा एमओयू पर हस्ताक्षर करने के साथ ही आगे के रोडमैप पर विस्तृत चर्चा की गई।

नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा आज लॉन्च किए गए डिजिटल नवाचार 'आरडीएफ (Refused Derived Fuel) ट्रैकिंग पोर्टल' के द्वारा निकाय स्तर पर

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुदृढ़ की जाएगी। यह पोर्टल राज्य के सभी नगरीय निकायों में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत संचालित मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (MRF) केंद्रों से उत्पन्न होने वाले रिफ्युज्ड डिराइव्ड फ्युइल (Refused Derived Fuel) की आवाजाही के डिजिटल निरीक्षण, निगरानी और विश्लेषण के लिए तैयार किया गया है।

आज लॉन्च किए गए व्हाट्स-अप चैटबॉट के माध्यम से नागरिक 851-900-9090 नम्बर पर अब सीधे स्वच्छता संबंधी शिकायतें एवं समस्याएं दर्ज करा सकेंगे। स्वच्छता में नागरिकों की सहभागिता बढ़ाने की दृष्टि से विभाग द्वारा यह चैटबॉट प्रारंभ किया गया है। स्वच्छता अभियान को बढ़ावा देने, लोगों को जागरूक करने तथा साफ-सफाई के महत्व के बारे में शिक्षित करने के लिए विभाग द्वारा स्वच्छता लीग टूलकिट का हिंदी संस्करण तैयार किया गया है।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम में मौजूद महापौरों, अध्यक्षों, निगम आयुक्तों, मुख्य नगर पालिका अधिकारियों तथा ऑनलाइन जुड़े नगरीय निकायों के पदाधिकारियों एवं अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए छत्तीसगढ़ में अच्छा काम हो रहा है।

धान की फसल में ड्रोन तकनीक का सफल प्रदर्शन

किसानों को मिली आधुनिक खेती की जानकारी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। आधुनिक तकनीक से खेती को सरल, सुरक्षित और लाभकारी बनाने की दिशा में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र महासमुंद द्वारा ग्राम धनसुली में निकरा परियोजना अंतर्गत धान की फसल में कृषि ड्रोन तकनीक का सफल प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान किसानों को ड्रोन द्वारा कीटनाशक छिड़काव की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष प्रदर्शन कराया गया तथा इसके संचालन से संबंधित तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि ड्रोन तकनीक से कम समय, कम लागत और कम श्रम में अधिक क्षेत्र में छिड़काव संभव है। इससे किसानों को न केवल समय की बचत होगी, बल्कि उत्पादन क्षमता भी बढ़ेगी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख तथा निकरा परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. आर.एल. शर्मा ने कृषि में ड्रोन तकनीक के उपयोग और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

राज्यपाल डेका माना में दुर्गा पूजा उत्सव में शामिल हुए

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल रमेन डेका आज माना कैम्प सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के पंडाल गए एवं देवी माता की प्रतिमा का दर्शन कर पूजा-अर्चना की।

राज्यपाल डेका बंगाली समाज के दुर्गा पूजा उत्सव में शामिल हुए

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल रमेन डेका आज रायपुर में बंगाली समाज द्वारा कालीबाड़ी में आयोजित दुर्गा पूजा उत्सव में शामिल हुए। डेका ने बंगाली समिति द्वारा कालीबाड़ी चौक में विराजित देवी की प्रतिमाओं का दर्शन किया और पूजा अर्चना की।

दुर्ग में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने किया अतिरिक्त कक्ष का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सतनामी आश्रम कल्याण समिति द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने सतनामी आश्रम, कसारीडीह (सिविल लाइन, दुर्ग) स्थित नवीन कम्यूनिटी हॉल (अतिरिक्त कक्ष) का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर दुर्ग (ग्रामीण) विधायक ललित चंद्राकर एवं अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा उपस्थित थे।

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने अपने उद्बोधन में समाज की एकता और शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए गुरु घासीदास जी के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, पूर्व न्यायाधीश श्री ए.एल. जोशी, पार्षद सरिता चंद्राकर सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए।

राज्यपाल डेका से हार्टफुलनेस संस्थान के डायरेक्टर श्री चॉवला ने की सौजन्य भेंट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल रमेन डेका से आज राजभवन में हार्टफुलनेस संस्थान के डायरेक्टर त्रिलोचन चॉवला ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल को संस्थान के प्रमुख कमलेश डी. पटेल (दाजी) द्वारा जैन तीर्थंकरों पर लिखी पुस्तक भेंट की। राज्यपाल डेका ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि नशामुक्त समाज निर्माण की दिशा में ऐसे प्रयास अनुकरणीय हैं और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहायक सिद्ध होंगे।

भेंट के दौरान चॉवला ने छत्तीसगढ़ में संस्थान द्वारा संचालित आध्यात्मिक और सामाजिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने राज्यपाल को प्रदेश मंत नशामुक्ति अभियान के लिए संस्थान की कार्ययोजना से भी अवगत कराया।

धान फसल कीट-व्याधि के संबंध में किसानों को सामयिक सलाह

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य में खरीफ मौसम के अंतर्गत धान की फसलें अच्छी स्थिति में हैं, किंतु वर्तमान मौसम की उमस और आर्द्रता के कारण कीट एवं व्याधियों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे सतत रूप से फसलों की निगरानी करें तथा आवश्यकता पड़ने पर ही वैज्ञानिक परामर्श अनुसार कीटनाशकों का सावधानीपूर्वक उपयोग करें।

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार धान की फसल पर तना छेदक, पत्ती लपेटक, गंधी बग, पेनिकल माइट, भूरा माहू, झुलसा रोग (ब्लास्ट) तथा शीथ ब्लाइट जैसी समस्याओं के लक्षण विभिन्न विकासखंडों में पाए जा रहे हैं। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को इन कीट-व्याधियों की पहचान और रोकथाम के लिए उपयोगी सुझाव दिए हैं। पेनिकल माइट पत्तियों पर आंखनुमा धब्बे एवं गांठों का काला पड़ना। इसकी रोकथाम हेतु हेक्सीथायाजोक्स . प्रोपिकोनाजोल अथवा प्रोपर्राजाईट . प्रोपिकोनाजोल का छिड़काव किया जाना चाहिए। भूरा माहू रोग नियंत्रण हेतु पाईमेट्रोजिन अथवा डाइनेट्रफ्युरान का प्रयोग, झुलसा रोग (ब्लास्ट) की रोकथाम के लिए टेबुकोनाजोल . ट्राइफॉक्सीस्ट्रोबीन अथवा ट्राइसाइक्लाजोल का छिड़काव करना चाहिए।

जिला निवेश प्रोत्साहन समिति की पहली बैठक हुई संपन्न, जिले में औद्योगिक विकास की संभावनाओं पर हुई विस्तृत समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में आयोजित जिला निवेश प्रोत्साहन समिति की प्रथम बैठक कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता एवं महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र टी. आर. कश्यप के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई। बैठक में समिति के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे जिनमें जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम शर्मा, वनमंडल अधिकारी, कार्यपालन यंत्री राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, कार्यपालन अभियंता जल संसाधन विभाग, कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग, उपसंचालक कृषि विभाग, श्रम पदाधिकारी, जिला खनिज अधिकारी एवं सहायक संचालक नगर ग्राम तथा निवेश मनेन्द्रगढ़ शामिल थे।

बैठक की शुरुआत समिति के अध्यक्ष कलेक्टर के निर्देश से की गई। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा निर्धारित एजेंडा में औद्योगिक परियोजनाओं के लिये पहचाने गये औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि आबंटित करना, विद्युत शक्ति, जल स्त्रोतों तथा अन्य उपयोगिताओं की पहचान कर उनका आबंटन एवं सुविधापूर्वक उपलब्ध कराना, स्थानीय प्रशासन से परियोजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित विषयों के संबंध में अनुमोदन तथा श्रम कल्याण से संबंधित मामलों में अनुमोदन लेने जैसे मुद्दों पर समिति को अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ़ शासन राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड रायपुर द्वारा 18 सितम्बर 2025 को जारी एजेंडा 1 से 13 तक पर भी विस्तार से चर्चा हुई। एजेंडा के अनुसार समिति के विभागीय सदस्यों से जिले में औद्योगिक विकास के लिये आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। जिला पंचायत से औद्योगिक गतिविधियों में संलग्न

युक्तियुक्तकरण से नकना शाला में आया सकारात्मक बदलाव

बच्चों की उपस्थिति और पढ़ाई में हुआ सुधार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शिक्षा व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण हेतु शालाओं और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण से ग्रामीण अंचलों के विद्यालयों की तस्वीर बदल रही है। रागयढ़ जिले के विकासखंड धरमजयगढ़ स्थित शासकीय प्राथमिक शाला नकना इसका जीवंत उदाहरण है। एक समय यह विद्यालय मात्र एक शिक्षक के भरोसे संचालित हो रहा था, अब वहां अतिरिक्त तीन शिक्षकों की पदस्थापना के साथ शिक्षा में व्यापक सुधार हुआ है। वर्तमान में विद्यालय में 112 बच्चे अध्ययनरत हैं।

पूर्व में शिक्षक की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी और पालक भी उन्हें नियमित रूप से स्कूल भेजने में रुचि नहीं ले रहे थे। परंतु युक्तियुक्तकरण के तहत नए शिक्षकों की नियुक्ति से अब कक्षाओं का संचालन सुव्यवस्थित हुआ है। पढ़ाई का स्तर सुधरने के साथ ही बच्चों की उपस्थिति में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है।

गांव के सरपंच तिर्की एवं पूर्व सरपंच बंधुराम भगत ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह निर्णय बच्चों के भविष्य के लिए दूरदर्शी कदम है, जिससे गांव में शिक्षा के प्रति नया भरोसा और उत्साह जागा है। शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सहदेव एक्का ने भी शिक्षण व्यवस्था में आए सुधार पर संतोष व्यक्त किया और बताया कि समिति समय-समय पर विद्यालय का निरीक्षण कर शिक्षकों की कार्यप्रणाली पर निगरानी रखती है। नए शिक्षकों के आने से शनिवार को आयोजित बैग-लेस-डे भी बच्चों के लिए रोचक बन गया है। इस दिन उन्हें खेल-कूद, पेंटिंग, व्यायाम एवं विभिन्न ज्ञानवर्धक गतिविधियां होती हैं, जिससे बच्चों में स्कूल के प्रति रूझान बढ़ा है। इन गतिविधियों से बच्चों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा मिल रहा है। अब बच्चे उत्साहपूर्वक विद्यालय आ रहे हैं और शिक्षा के प्रति उनकी रुचि बढ़ी है।

'सरकारी स्कूलों से दसवीं, बारहवीं पास करने वाली छात्राओं को आगे पढ़ाई के लिए मिलेंगे 30 हजार रूपए

उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने नवनिर्मित शासकीय शशिबाला अंग्रेजी-हिंदी उत्कृष्ट विद्यालय भवन का किया लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उपमुख्यमंत्री एवं लोकनिर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने आज राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी स्थित दानवीर भामाशाह वार्ड में 337.01 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित शासकीय शशिबाला अंग्रेजी-हिंदी माध्यम उच्चतर माध्यमिक उत्कृष्ट विद्यालय का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्र-छात्राओं से आत्मीय संवाद कर उन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। उपमुख्यमंत्री श्री साव ने बताया कि छात्राओं को अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए सरकार ने महत्वपूर्ण फैसला लिया है। राज्य की विष्णु देव सरकार अब सरकारी स्कूलों से 10वीं-12वीं पास करने वाली छात्राओं को आगे महाविद्यालयीन पढ़ाई

करने के लिए 30 हजार रूपए की सहायता देगी। उन्होंने बताया कि सरकार के इस फैसले से प्रदेश में छात्राओं को अब आर्थिक तंगी के कारण अपनी पढ़ाई बीच में नही छोड़नी पड़ेगी। छात्राएं अपनी पढ़ाई पूरी कर अपने सपने साकार कर सकेगीं।

उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने लोकापर्ण समारोह को संबोधित करते हुए नवीन विद्यालय के लिए छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई दी। छात्र-छात्राओं से आत्मीय संवाद के दौरान छात्रा अनुष्का शर्मा ने उपमुख्यमंत्री से पूछा आप बचपन में कैसे स्कूल में पढ़े ? जिस पर श्री साव ने बताया कि कक्षा तीसरी तक मैंने अपने गांव में पढ़ाई की।

वह शासकीय भवन नहीं था, हमारे ही परिवार का एक कच्चा मकान था। हम अपने घर से चटाई ले जाते और बैठा करते। हर शनिवार को गोबर की पोताई भी हम करते थे। जबकि आज देखिए आपके लिए सरकार कितने भव्य और बड़े विद्यालय बना रही है। मेरा आप सभी से आग्रह है कि सरकार आपको आधुनिक सुविधायुक्त विद्यालय बनाकर दे रही है ताकि आप अपना पूरा ध्यान लगाकर खूब पढ़े और आगे बढ़े। इसलिए आपकी भी यह जिम्मेदारी है कि आप पूरा मन लगाकर अच्छी तरह पढ़ें और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करें।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से घर-घर ऊर्जा आत्मनिर्भरता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से न केवल बिजली बिल से राहत मिल रही है, बल्कि हर घर हरित ऊर्जा की ओर अग्रसर हो रहा है।

मुंगेली नगर के रामगोपाल तिवारी वार्ड निवासी श्री राकेश शुक्ला ने योजना का लाभ उठाते हुए अपने घर पर 3 किलोवाट का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया है। पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल 2 से 3 हजार रुपये तक आता था, जिससे घरेलू बजट गड़बड़ा जाता था। सोलर रूफटॉप पैनल लग जाने से अब उन्हें प्रतिमाह 1500 से 2 हजार रुपये की बचत हो रही है। उन्होंने बताया कि योजना से न केवल आर्थिक लाभ मिल रहा है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

श्री शुक्ला ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना आमजन के लिए वरदान है। इससे बिजली विभाग पर निर्भरता कम हो रही है। अघोषित विद्युत कटौती जैसी समस्याओं से भी निजात मिल रही है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव 117 करोड़ से अधिक की लागत के तीन वृहद पुलों का किया शिलान्यास

रिंग रोड क्रमांक-2 में जरवाय, हीरापुर और सरोरा चौक पर बनेंगे तीन ओव्हरपास

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने आज राजधानी रायपुर के रिंग रोड क्रमांक-2, हीरापुर चौक (गनपत चौक) में 117 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बनने वाले तीन वृहद पुलों का शिलान्यास किया।

शिलान्यास कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने प्रदेशवासियों को नवरात्र पर्व और विजयदशमी की बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार अटल निर्माण वर्ष मना रही है। हमने बनाया है हम ही सवारेंगे इस संकल्प के साथ लगातार प्रदेशवासियों के हित में जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर ला रहे हैं और राजधानी रायपुर को संवारने का काम लगातार कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश को विकसित देश बनाने की दिशा में जीएसटी रिफार्म संबंधी ऐतिहासिक फैसला लिया है। यह देश की पहली योजना है जो देश के 140 करोड़ जनता को छोटे से छोटे समान जैसे - साबुन, बिस्कुट से लेकर कार, कंप्यूटर सहित सभी समानों की खरीदी पर एक समान में बचत होने वाली है। जीएसटी बचत उत्सव नवरात्रि के पहले दिन से प्रारंभ हुआ है जिसका प्रत्यक्ष लाभ देश की जनता को मिलेगा। यह भारत को विकसित बनाने की दिशा में एक इतिहास रचा है।

कार्यक्रम को सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने सम्बोधित करते हुए कहा कि विष्णु देव साय की सरकार शिक्षा सहित राज्य के लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि रायपुर शहर को राजधानी के अनुरूप विकसित करने की दिशा में आगे ले जा रहे हैं।

विधायक श्री राजेश मूणत ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय गरीब परिवारों की चिंता करने वाली सरकार है। राजधानी वासियों को उनकी मूलभूत सुविधाओं के लिए बनाई गई सभी योजनाओं को हम तय सीमा में पूरा करवाएंगे। इस ओव्हर पास सड़क निर्माण से लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

कार्यक्रम को विधायक श्री मोतीलाल साहू और महापौर मीनल चौबे ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर विधायक सर्वश्री सुनील सोनी, पुरन्दर मिश्रा, नगर निगम सभापति श्री सूर्यकांत राठौर वार्ड पार्षद रामहिन कुर्रे तथा विभिन्न वार्डों के पार्षदगण एवं श्री रमेश सिंह ठाकुर, नगर निगम आयुक्त सहित विभिन्न वार्डों के पार्षदगण, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण सहित विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि लोक निर्माण विभाग द्वारा रायपुर में रिंग रोड क्रमांक-2 पर तीन ओव्हरपास बनाए जाएंगे। जिसके अंतर्गत जरवाय मार्ग में बंगाली होटल के पास 23 करोड़ 89 लाख 49 हजार रुपए की लागत से, हीरापुर चौक में 49 करोड़ 40 लाख दस हजार रुपए तथा सरोरा चौक पर रिलायंस पेट्रोल पंप के पास 43 करोड़ 76 लाख 48 हजार रुपए की लागत से तीन ओव्हर पास निर्माण किया जाएगा। इन तीनों चौराहों में ओव्हार पास बन जाने से टाटीबंध एवं भनपुरी के मध्य हीरापुर, अटारी, जरवाय, तेंदुआ, गुमा, कोटा, मोहबा बाजार इत्यादि क्षेत्र के लगभग 02 लाख से अधिक आम नागरिकों के साथ-साथ सम्पूर्ण नगरीय क्षेत्र को सुगम, सुव्यवस्थित एवं बाधारहित सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी।

रंग-गुलाल के साथ कालिका मंदिर में अष्टमी पर गरबा रास किया गया

रतलाम कलेक्टर ने भी पूजा-अर्चना की, भगवा और तिरंगा लहराते महिलाएं व युवतियां शामिल

रतलाम, एजेंसी। शारदीय नवरात्रि की अष्टमी पर मंगलवार तड़के मां कालिका माता मंदिर में रंग-गुलाल के बीच गरबा रास किया। जमकर रंग गुलाल उड़ाया। मां कालिका के दर्शन के लिए भी सुबह से बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे। कलेक्टर राजेश बाथम ने सपत्नीक पूजा-अर्चना कर रंग गुलाल उड़ाया। शहर में आज अष्टमी का पर्व मनाया जाएगा। मंदिरों के साथ-साथ घरों में अष्टमी की पूजा-अर्चना व हवन होगा। मां कालिका माता मंदिर में भी अष्टमी का हवन किया जाएगा। इसके पहले कालिका माता मंदिर पर सुबह 4 बजे से गरबा रास शुरू हुआ।

गरबा रास के बीच अष्टमी पर्व के मौके पर जमकर रंग गुलाल उड़ाया। हजारों की संख्या में महिलाएं, युवतियों ने मां अंबे की भक्ति व आराधना में गरबा रास किया। इस दौरान होली जैसा नजारा रहा। गरबा भजनों के साथ आज बिरज में होली रे रसिया गीत पर मां अंबे की भक्ति में सभी लीन नजर आए।

भगवा के साथ तिरंगा भी लहराया

गरबा रास में कोई काली तो कोई भारत माता का रूप के साथ अनेक रुप धारण कर युवतियां पहुंची। हाथों में भगवा झंडे के साथ तिरंगा लहराते हुए भी युवतियों ने गरबा रास किया।

सुबह-शाम होता है गरबा

कालिका माता मंदिर परिसर में सालों से यहां गरबा रास का आयोजन किया जाता है। रतलाम में मात्र एक ही जगह सुबह व शाम दोनों समय गरबा रास का आयोजन होता है। मां कालिका प्रतिदिन आकर्षक श्रृंगार किया जाता है। अष्टमी के हवन में भी यहां पर बड़ी संख्या में भक्त दर्शन के लिए पहुंचेंगे।

किराना दुकान से ड्राईफ्रूट, 4 हजार नकद चोरी : पीछे के रास्ते से घुसकर वारदात की

खरगोन, एजेंसी। खरगोन के बिस्टान रोड स्थित एक किराना दुकान में चोरी की घटना हुई है। बदमाशों ने दुकान से 5 किलो ड्राईफ्रूट और गल्ले से 4 हजार रुपए नकद चुरा लिए। चोर दुकान के पीछे के रास्ते से घुसे और पिछले दरवाजे को तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। यह घटना सोमवार और मंगलवार की दरम्यानी रात की है। शास्त्रीनगर निवासी किराना कारोबारी आनंद गुजराती ने बताया कि वे रात 9 बजे दुकान बंद कर चले गए थे। जब वे मंगलवार सुबह 10 बजे दुकान पर पहुंचे, तो ताला खोलने पर दुकान में सामान बिखरा मिला। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके का मुआयना किया और बताया कि चोरों ने केवल कीमती सामान को निशाना बनाया। दुकान से 4 हजार रुपए की चिल्लर और पांच किलो काजू-बादाम के पैकेट गायब मिले। अन्य कोई सामग्री चोरी नहीं हुई। बदमाशों ने कीमती सामान ढूंढने के लिए दुकान का काफी सामान बिखेर दिया था। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और संदिग्धों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस को इस वारदात में बच्चा चोर गैंग के शामिल होने की आशंका है।

खेत में रखी सोयाबीन फसल में आग, किसान का आरोप- किसी ने आग लगाई

आगर मालवा, एजेंसी। जिले के पूरा साहब नगर गांव में सोमवार देर रात एक खेत में आग लग गई। इस घटना में काटकर रखी हुई सोयाबीन की फसल जलकर राख हो गई। खेत मालिक ने तत्काल डायल 112 पर कॉल कर सूचना दी। किसान प्रेम नारायण और लक्ष्मी नारायण के अनुसार, आग से लगभग 5 बीघा खेत की करीब 20 क्विंटल सोयाबीन फसल पूरी तरह जल गई। इससे उन्हें हजारों रुपए का आर्थिक नुकसान हुआ है। किसानों ने बताया कि खेत में बिजली के तार नहीं हैं, इसलिए शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका नहीं है। उन्होंने आशंका जताई है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने जानबूझकर फसल में आग लगाई होगी। आग बुझाने में ग्रामीणों ने भी सहयोग किया, लेकिन तब तक अधिकांश फसल जल चुकी थी। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना की जांच शुरू कर दी है। किसान प्रशासन से इस मामले की निष्पक्ष जांच और उचित मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

दीपावली त्योहार के पर पटाखे बेचने अस्थाई लाइसेंस ऑनलाइन आवेदन 10 तक

नर्मदापुरम, एजेंसी। दीपावली त्योहार के अवसर पर आतिशबाजी व पटाखे के बेचने और दुकान लगाने के लिए अस्थाई लाइसेंस (अनुज्ञप्ति) जारी किए जाएंगे। अस्थाई लाइसेंस के लिए दुकानदारों को 10 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन करना होगा। अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी नर्मदापुरम राजीव रंजन पांडे ने बताया कि अस्थाई आतिशबाजी या पटाखे अनुज्ञप्ति के लिए इच्छुक आवेदनकार्ताओं द्वारा ऑनलाइन आवेदन ई-सर्विस पोर्टल http://services.mp.gov.in के माध्यम से आवेदन किए जा सकते हैं। आवेदनकर्ता को आधार कार्ड, वोटर कार्ड, पैन कार्ड, पूर्व लाइसेंस (यदि हो), मोबाइल नंबर, आवेदित स्थल का पता प्रस्तुत करना होगा। आवेदन के लिए लाइसेंस के लिए निर्धारित शुल्क 600 रुपए है, जिसका ऑनलाइन भुगतान करना होगा। आवेदक की आयु 21 वर्ष पूर्ण होनी चाहिए। आवेदक को न्यायालय द्वारा आपराधिक मामलों में दोषसिद्ध नहीं होना चाहिए। आवेदक को दण्डप्रक्रिया संहिता 1973 के अध्याय-8 के तहत परिशांति कायम रखने के लिए बंधपत्र निष्पादित करने का आदेश नहीं होना चाहिए।

नाबालिग ने कटर मारकर की थी युवक की हत्या सागर के कैंट क्षेत्र में झाड़ियों में मिला था शव

500 सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपी तक पहुंची पुलिस

सागर, एजेंसी। सागर की कैंट थाना पुलिस ने अंधेकत्ल की गुत्थी सुलझा ली है। झाड़ियों में मिले युवक के शव मामले में नाबालिग को गिरफ्तार किया गया है। उसने पैसों के लालच में युवक की कटर से हमला कर हत्या की थी। वारदात के बाद आरोपी घर पर ही रह रहा था। पुलिस गिरफ्तार नाबालिग से पूछताछ कर रही है।

पुलिस के अनुसार, 23 सितंबर को कैंट क्षेत्र की ओसीएल लाइन के पास स्थित तार वाले बाबा की मजार के पीछे युवक का शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाया। प्राथमिक जांच में मृतक की धारदार हथियार से गले पर बार कर हत्या की जाना स्पष्ट हुआ। मर्ग कायम कर पुलिस ने जांच में लिया। जांच के दौरान मृतक की पहचान करन पटेल उम्र 32 साल निवासी बरा बंडा हाल निवासी शंकरगढ़ मकरोनिया के रूप में हुई। मृतक अपनी पत्नी और बच्चों के साथ किराए के मकान में रहता था। पहचान होने के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की।

मिलने-जुलने वालों और रहवासियों से पूछताछ की: पुलिस ने वारदात वाली जगह की बारीकी से छानबीन की। वारदात स्थल आर्मी एरिया से लगा हुआ और कैंट सदर घनी बस्ती बाला इलाका है। ऐसे में हत्या जैसी वारदात से आसपास रहने वाले लोग दहशत में थे। मामले में पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए और वारदात की कड़ी से कड़ी जोडकर साक्ष्य संकलन किए। मृतक से मिलने-जुलने वालों से पूछताछ की।

वारदात वाली जगह के आसपास रहने वालों से पूछताछ की गई। मृतक का मूवमेंट देखने के लिए पुलिस ने आसपास के रास्तों पर क्षेत्रों के करीब 500 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। इसी बीच मुखबिर से सूचना मिली कि पूर्व के प्रकरणों में संलिप्त रहा राजीव नगर क्षेत्र निवासी बाल अपचारी (नाबालिग) हत्या की वारदात में शामिल हो सकता है।

पैसों के लालच में की थी हत्या: संदेह के आधार पर पुलिस ने नाबालिग को हिरासत में लिया। थाने लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने हत्या की वारदात करना स्वीकार की। उसने पूछताछ में बताया कि पैसों के लालच में वह मृतक को बातों में उलझाकर अपने घर के पास तार वाले बाबा की मजार के पीछे ले गया था। जहां कटर से हत्या कर दी थी। पुलिस ने नाबालिग के पास से वारदात में उपयोग किया कटर, वारदात के समय पहने कपड़े और मोबाइल जब्त किया है।कैंट थाना प्रभारी रोहित डोंगरे ने बताया कि हत्या के मामले में 17 वर्षीय नाबालिग को गिरफ्तार किया गया है। उसने पैसों के लालच में युवक की कटर से हत्या की थी। गिरफ्तार बाल अपचारी के खिलाफ पूर्व से हत्या का प्रयास, मारपीट के अपराध दर्ज हैं।

कई टन वजनी चट्टान 2 बच्चियों पर गिरी

1 मौत :एक घंटे तक दबी रहीं दोनों बहनें, छतरपुर में बारिश से बचने बैठी थीं

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर के लवकुशनगर में दो बहनें चट्टान के नीचे दब गईं। गांववालों ने बच्चियों को निकालने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए। करीब एक घंटे बाद जेसीबी की मदद से दोनों को बाहर निकाला गया। बड़ी बहन की मौके पर ही मौत हो गई। छोटी बहन जिला अस्पताल में भर्ती है। घटना सोमवार शाम को बगमऊ गांव के पास की है। गांव के ही राजेश रजक की बेटियां खुशबू (10) और सोनम (12) बकरी चराने खेत में गई थीं। बारिश होने पर दोनों चट्टान के नीचे बैठ गईं। इसी दौरान मिट्टी धंसने से चट्टान दोनों बहनों के ऊपर आ गई। सोनम ने वहीं दम तोड़ दिया। खुशबू गंभीर घायल हो गई। खुशबू को 112 की मदद से लवकुशनगर अस्पताल ले जाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

पिता दिल्ली में करते हैं मजदूरी: दोनों बच्चियां अपने चाचा के पास रहती थीं। बच्चियों के पिता राजेश रजक दिल्ली में मजदूरी करते हैं। मां भी उन्हीं के साथ रहती है। घर पर दादी कुसुम और चाचा राकेश बच्चों की देखभाल करते हैं। परिवार में एक छोटा बेटा लवकुश (5) है। हादसे के समय घर पर मकान का काम चल रहा था। बच्चियां गांव के लड़के की जगह बकरियां चराने खेत पर गई थीं। हादसे के बाद वहीं बकरी चरा रही एक महिला ने फोन कर गांव में जानकारी दी।

खदान संचालक पर लापरवाही का आरोप: परिजनों का आरोप है कि पास की पत्थर खदान संचालक की लापरवाही से खेत में पत्थरों का ढेर डाला गया था। किसी तरह की सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने की वजह से यह हादसा हुआ। संदीप रजक (चचेरा भाई) ने बताया कि यह घटना पूरी तरह खदान संचालक की लापरवाही के कारण हुई है।

पुलिस बोली- मामले की जांच कराएंगे: लवकुशनगर थाना प्रभारी अजय अंबे ने बताया कि खेत की मेड़ पर रखे पत्थर पर बच्चियां बैठी थीं। मिट्टी धसकने से चट्टान खिसकी और दोनों दब गईं। एक बच्ची का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है, दूसरी का इलाज जिला अस्पताल में जारी है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खदान के कारण कई हादसे हो चुके: बच्ची के चचेरे भाई संदीप ने बताया कि कटहरा में फॉर्च्यून कंपनी लगभग 35 साल से पत्थर निकालने का काम कर रही है। यहां कई हादसे हुए हैं। कई बार लोगों ने फसल नष्ट होने की शिकायत भी की। आसपास की जमीन बंजर हो चुकी है। कुछ महीने पहले पत्थर ले जा रहे ट्रक ने गांव के कालीचरण और अजुद्दी अहिरवार को कुचल दिया था। दोनों की मौत हो गई थी। कंपनी पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। पुलिस मामलों को वहीं रफा-दफा कर देती है।

बस ने बाइक को टक्कर मारी, 3 भाई-बहनों की मौत ; पन्ना में माता मंदिर से लौट रहे थे, गाड़ी छोड़कर भाग निकला ड्राइवर

पन्ना, एजेंसी। पन्ना में तेज रफ्तार टूरिस्ट बस ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दो सगी बहन और उनके ममेरे भाई की मौत हो गई। एक्सीडेंट अजयगढ़ बायपास पर मंगलवार सुबह हुआ। पुलिस के मुताबिक, चिमट गांव निवासी करण आदिवासी (19) पिता टूनगा बड़ी देवन मंदिर में माता के दर्शन करने गया था। उसकी बहनें अनारकली (10) और अंजलि (13) भी साथ थीं। दर्शन के बाद तीनों बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान छतरपुर से पन्ना की ओर आ रही बस नंबर स्क्ल6 क्क0273 ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने घायलों को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया।

खंडवा कलेक्टर ने इंदौर कमिश्नर के आदेश को पलटा

70 साल पुराने मोरटक्का पुल से भारी वाहनों की आवाजाही शुरू, एसपर्ट बोले- यह मापदंडों का उल्लंघन

खंडवा, एजेंसी। खंडवा कलेक्टर के एक आदेश से ट्रांसपोटर्स की बल्ले-बल्ले हो गई हैं। आदेश के पीछे सांसद को आगे करके चैंबर ऑफ कॉमर्स के नेता श्रेय ले रहे हैं। लेकिन यही आदेश किसी आपदा को चुनौती देने से कम नहीं हैं।

दरअसल, नर्मदा पर बना 70 साल पुराना मोरटक्का पुल कमजोर हो गया है। दो साल पहले नर्मदा में बाढ़ के कारण पुल में दरारें आ गई थीं। जांच कमेटी की सलाह पर इंदौर कमिश्नर ने भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी थी।

23 सितंबर 2025 को खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने पुल से भारी वाहनों के प्रवेश पर लगी रोक को हटा दिया है। आदेश जारी होने के बाद पुल की सुरक्षा में जगह-जगह लगाए गए चेकिंग पाइंट और नाकों को हटा दिया गया। अब बेरोकटोक भारी मालवाहक वाहन पुल से गुजर रहे हैं। इंदौर के एसजीआईटीएस कॉलेज के विशेषज्ञों की एक कमेटी ने पुल की बारीकी से जांच की थी। उन्होंने स्पष्ट किया था कि 20 टन से ज्यादा वजनी वाहनों पर तत्काल प्रतिबंध लगाए। वरना पुल के टूटने से कोई बड़ा हादसा होने में देर नहीं लगेगी।

खंडवा-बुरहानपुर को इंदौर से जोड़ता है: 1947 से 1955 के बीच बना मोरटक्का पुल काफी पुराना होकर कमजोर हो गया है। इस पुल पर इंदौर से लेकर खंडवा-खरगोन और बुरहानपुर का भार है। खंडवा और बुरहानपुर को इंदौर से जोड़ने वाला यह एकमात्र रास्ता है। 2023 में नर्मदा में बाढ़ के दौरान पुल डूब गया था। पुल की रेलिंग बह गई तो सड़क उखड़ गई थी। पिलर में दरारें आ गई थीं। तत्काल ट्रैफिक बंद कर दिया गया। तब एनएचएआई ने इंदौर के एसजीआईटीएस कॉलेज के विशेषज्ञ इंजीनियर की टीम से पुल की जांच कराई।

इस जांच कमेटी में कॉलेज के सिविल इंजीनियर डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉ. विजय रोड़े, डॉ. एमके लघाटे, प्रोफेसर विवेक तिवारी ने घंटों तक पुल की बारीकी से जांच की।

कलेक्टर बोले- मैंने सिर्फ सावन महीने का आदेश निरस्त किया

मामले को खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता से बात की। उन्होंने कहा कि मैंने सिर्फ सावन महीने के दौरान कांवड़ यात्रा और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर भारी वाहनों पर रोक लगाई थी। जिस आदेश को मैंने निरस्त किया है, अब सावन महीने से पहले क्या स्थिति थी, यह मेरी जानकारी में नहीं है। यदि कुछ नियम लागू थे तो वह लागू रहेंगे। मेरा आदेश सिर्फ सावन महीने को लेकर था, जिसे निरस्त किया है।

उन्होंने दरारों के भीतर से कुछ पत्थरों को सैंपल के तौर पर अपने साथ रखा। इसके बाद पुल का मेंटनेंस IRC (इंडियन रोड़ कांग्रेस) के नियमों के हिसाब से कराया। फिर लोड टेस्टिंग कराई गई और यह तय हुआ कि पुल से बी कैटेगरी के वाहन ही निकलेंगे। यानी 20 टन से ज्यादा वजनी वाहन नहीं निकलेंगे। युद्ध जैसे हालात हो तो भारी वाहनों को एक-एक करके निकाला जाए।

6 महीने बाद पेट्रोल-डीजल वाहनों को छूट दी गई: मोरटक्का पुल पर भारी वाहनों के प्रतिबंध के बाद सभी वाहन इनमें डीजल-पेट्रोल के वाहन भी शामिल थे। ये इंदौर से खलघाट होकर खरगोन होते हुए खंडवा आने लगे। इस दौरान ट्रांसपोर्ट खर्च बढ़ने से खंडवा में पेट्रोल और डीजल के रेट बढ़ा दिए गए। 6 महीने बाद 18 मार्च 2024 को इंदौर के तत्कालीन कमिश्नर दीपकसिंह की अध्यक्षता में एक बैठक हुई।

इस बैठक में एनएचएआई, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, इंडियन ऑयल और फूड सप्लाई डिपार्टमेंट के अफसर शामिल हुए। कमिश्नर सिंह ने निर्देश दिए कि मोरटक्का पुल से 20 टन वजनी टैंकर 24 घंटे आ-जा सकेंगे। यदि लोड 20 टन से ज्यादा है तो पुल से एक बार में एक ही टैंकर निकलेगा। इसके लिए सुबह 8 बजे से पहले का समय भी निर्धारित किया था।

इसी आदेश से निकलने लगे हाईवा और बलकर

दरअसल, खंडवा कलेक्टर के इसी आदेश के बाद से मोरटक्का पुल से भारी वाहन निकलने लग गए हैं। इनमें हाईवा, बलकर जैसे वाहन निकल रहे हैं, जो कि 20 टन तो क्या 100 टन से ज्यादा वजनी हैं। यदि कोई हादसा होता है तो इंदौर से खंडवा-बुरहानपुर की कनेक्टिविटी खत्म हो जाएगी। क्योंकि इसके अलावा कोई अन्य वैकल्पिक मार्ग नहीं है।

उधर, निर्माणाधीन नेशनल हाईवे का ब्रिज का काम भी बहुत धीमी गति से चल रहा है। गुजराज की कंपनी को एनएचएआई द्वारा कई बार नोटिस जारी हो चुके हैं। लेकिन कार्य की प्रगति काफी धीमी है। अभी तक पूरे पिलर भी खड़े नहीं हो पाए हैं।

आरोप- पैसे लेकर छोड़ रहे थे भारी वाहन

चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सुनिल बंसल का कहना है कि पुल कमजोर है या नहीं, यह हमें नहीं मालूम। बाकी उस पुल से 70-80 टन वजनी वाहन रोक के बावजूद निकल रहे थे। पुलिस वाले वसूली करके ट्रकों को रात में छोड़ते थे। हमने यह बात सांसद जी के संज्ञान में लाए। कलेक्टर से बात की तो उन्होंने कहा कि मैंने सभी प्रकार के वाहनों को छूट दे दी है। कहीं न कहीं जो एक लाख रूपए रोजाना की वसूली हो रही थी, वो बंद हो गई है। रोक के आदेश के कारण भ्रष्टाचार बढ़ गया था। जिससे कि ट्रांसपोर्टर को राहत मिली है।

एक्सपर्ट बोले- ये IRC के मापदंडों का खुला उल्लंघन: मिडिया ने भारी वाहनों को छूट दिए जाने के मामले में जांच कमेटी में शामिल एसजीआईटीएस कॉलेज के प्रोफेसर विवेक तिवारी से बातचीत की।

तिवारी ने कहा कि कोई वैकल्पिक मार्ग न होने के कारण कमेटी ने सलाह दी थी कि सिर्फ क्ककैटेगरी के वाहन ही पुल से निकाले जाए। इनका लोड 20 टन से कम रहता है। जबकि हम देख रहे है कि प्रशासन द्वारा ++ कैटेगरी के वाहन तक निकलवाए जा रहे हैं।

प्रोफेसर तिवारी के मुताबिक, यह IRC के मापदंडों का खुला उल्लंघन है। पुल काफी पुराना होकर सकरा है, न तो नियम के हिसाब से रेलिंग और न हाईमास्ट लगे हुए हैं। किसी भारी वाहन का यदि एक्सीडेंट होता है तो सीधे तौर पर पुल के ऊपर भार आ सकता है। सरकार और स्थानीय प्रशासन को सख्ती दिखाने के साथ ही वैकल्पिक मार्ग के लिए प्रयास करने चाहिए। मेरी व्यक्तिगत सलाह है कि वहां सिंहस्थ तक चार-पांच पुल बनने चाहिए।

इधर, खंडवा चैंबर ऑफ कॉमर्स श्रेय लेने लग गया: पूर्व निमाड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, खंडवा के अध्यक्ष सुनील बंसल और सचिव संतोष गुप्ता ने अपने लैटरहैड पर खंडवा ट्रक, ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन को एक पत्र लिखा है।

चैंबर ऑफ कॉमर्स ने लिखा कि 27 सितंबर 2025 को शाम 4 बजे खंडवा कलेक्टर कार्यालय में सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल के साथ कलेक्टर ऋषव गुप्ता के साथ चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी व ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों की बैठक हुई। जिसमें मोरटक्का स्थित नर्मदा नदी पर बने पुराने पुल से सभी वाहनों के लिए आवागमन हेतु खोल दिया गया है। कलेक्टर के इस आदेश से पूर्व के सभी आदेश निरस्त माने जाएंगे।

क्रिकेट के मैदान में हादसा, न्यूज़ीलैंड के ऑलराउंडर को कैच लेने की कोशिश में चेहरे पर लगी चोट

माउंगानुई, एजेंसी। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रवींद्र को एक और झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज शुरू होने से ठीक एक दिन पहले ट्रेनिंग के दौरान उनके चेहरे पर चोट लग गई। 24 वर्षीय रचिन रवींद्र कैच लेने की कोशिश में बाउंड्री होर्डिंग से टकरा गए, जिससे उनके चेहरे पर चोट लग गई। न्यूजीलैंड टीम के आधिकारिक हैंडल के अनुसार रवींद्र ने मैदान पर शुरुआती कन्कशन टेस्ट पास कर लिया है, लेकिन आने वाले दिनों में उन्हें कड़ी चिकित्सा निगरानी में रखा जाएगा। यह पहली बार नहीं है जब इस बाएं हाथ के खिलाड़ी को 2025 में ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति का सामना करना पड़ा हो। इस साल की शुरुआत में, चैंपियंस ट्रॉफी से पहले लाहौर में त्रिकोणीय सीरीज़ के दौरान, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फ्लडलाइट्स में कैच लेने की कोशिश करते समय रवींद्र के माथे पर चोट लग गई थी। इस घटना के कारण वह त्रिकोणीय सीरीज़ के बाकी मैचों के साथ-साथ पाकिस्तान के खिलाफ न्यूजीलैंड के शुरुआती चैंपियंस ट्रॉफी मैच से भी बाहर हो गए।

इस चोट का समय ब्लैक कैप्स के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। रवींद्र हाल के महीनों में न्यूजीलैंड की सीमित ओवरों की टीम का केंद्र रहे हैं। उनकी बल्लेबाजी और बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी उन्हें टीम के सबसे बहुमुखी खिलाड़ियों में से एक बनाती है। अगर उनकी अनुपस्थिति की पुष्टि हो जाती है, तो न्यूजीलैंड की अपने पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ योजनाओं में खलल पड़ सकता है। तीन मैचों की टी20 सीरीज कल माउंट माउंगानुई के बे ओवल में शुरू होगी। दूसरा और तीसरा मैच शुक्रवार 3 अक्टूबर और शनिवार 4 अक्टूबर को खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के पूरी ताकत के साथ आने के कारण अगर रवींद्र उपलब्ध नहीं होते हैं, तो न्यूजीलैंड को अपने संयोजन पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

एशिया कप फाइनल में क्यों हारा पाकिस्तान? पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने खोल दी पोल

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट की दुनिया में जब भारत और पाकिस्तान आमने-सामने आते हैं तो रोमांच अपने चरम पर होता है। एशिया कप 2025 का फाइनल भी इससे अलग नहीं था। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए इस बड़े मुकाबले में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को हराकर रिकॉर्ड नौवीं बार खिताब अपने नाम किया। मैच में उतार-चढ़ाव भरे पल आए, लेकिन टीम इंडिया की रणनीतिक समझ और दबाव को संभालने की काबिलियत ने उन्हें चैंपियन बना दिया। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने भी भारतीय खिलाड़ियों की इसी खेल जागरूकता की सराहना की।

दबाव में भी शांत रही टीम इंडिया- राशिद लतीफ़ ने कहा कि भारत ने बल्लेबाज़ी पारी के दौरान मुश्किल हालात में खुद को बहुत अच्छी तरह से संभाला। उन्होंने माना कि पाकिस्तान अच्छी गेंदबाज़ी कर सकता था, लेकिन असली फर्क भारतीय बल्लेबाज़ों की रणनीति और संयम ने पैदा किया। खासकर जब भारत दबाव में था, तब टीम ने जल्दबाज़ी करने के बजाय विकेट बचाने पर ध्यान दिया और फिर सही मौके पर मैच का रुख मोड़ दिया।

भारतीय स्पिनरों ने पलटा खेल- लतीफ़ ने भारतीय स्पिनरों की तारीफ़ करते हुए कहा कि 15वें से 17वें ओवर तक कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती की गेंदबाज़ी ने पाकिस्तान की पारी को झकझोर दिया। लगातार विकेट गिरने से पाकिस्तानी बल्लेबाज़ी दबाव में आ गई और टीम वापसी नहीं कर सकी। उन्होंने साफ कहा कि पाकिस्तान के कप्तान दबाव बनाने में नाकाम रहे, जबकि भारत ने मौके का पूरा फायदा उठाया।

हैरिस रऊफ की आलोचना- 56 वर्षीय राशिद लतीफ़ ने पाकिस्तान के तेज़ गेंदबाज़ हैरिस रऊफ़ पर भी कड़ी टिप्पणी की। उनके मुताबिक, रऊफ़ बेहद पूर्वानुमानित गेंदबाज़ हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का एक बड़ा फैसला गलत साबित हुआ, जब अबरार अहमद के बाद रऊफ़ को गेंदबाज़ी के लिए लाया गया और उन्होंने 17 रन लुटा दिए। यह वह मोड़ था, जिसने भारत की जीत को और पक्का कर दिया।

योगेश कथुनिया ने फिर दिखाया दम, लगातार तीसरे साल भारत को दिलाया पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 का रोमांच अपने चरम पर रहा। भारत के स्टार पैरा एथलीट और दो बार के पैरालंपिक पदक विजेता योगेश कथुनिया ने एक बार फिर देश का मान बढ़ाते हुए पुरुषों की डिस्कस थ्रो स्न56 स्पर्धा में रजत पदक जीता। 28 वर्षीय कथुनिया ने 42.49 मीटर का शानदार थ्रो किया और लगातार तीसरे साल इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में रजत हासिल कर इतिहास रच दिया। कथुनिया की इस उपलब्धि की खासियत यह है कि यह उनका लगातार तीसरा रजत पदक है। उन्होंने 2023 (फ्रांस) और 2024 (जापान) में हुए विश्व चैंपियनशिप संस्करणों में भी रजत पदक जीते थे। इस बार भी वह ब्राज़ील के अनुभवी एथलीट क्लॉडनी बतिस्ता से पीछे रहे, जिन्होंने 45.67 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता। वहीं, ग्रीस के कॉन्स्टेंटिनोस त्ज़ोनिस ने 39.97 मीटर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। दिलचस्प बात यह है कि टोक्यो 2020 पैरालंपिक और पेरिस 2023 विश्व चैंपियनशिप में भी कथुनिया बतिस्ता के बाद ही दूसरे स्थान पर रहे थे। योगेश कथुनिया का सफर बेहद प्रेरणादायक है। नौ साल की उम्र में उन्हें गुइलेन-बैरे सिंड्रोम, एक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल स्थिति, हो गई थी। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और 2017 में कॉलेज के दिनों से पैरा स्पोर्ट्स में कदम रखा।

पुरुष उत्तराखंड प्रीमियर लीग 2025

ऋषिकेश फाल्कन्स ने हरिद्वार एल्मास को 4 विकेट से हराया, एलेन चेतन बने हीरो

नई दिल्ली, एजेंसी। कप्तान कुणाल चंडेला शानदार फॉर्म में दिखे और 7 चौकों व 5 छक्कों की मदद से 53 गेंदों पर 83 रन जड़े। उनके साथ दक्ष अवाना ने 27 गेंदों पर 30 रन बनाए। नीरज राठौर (11 गेंद, 23 रन) और सौरव चौहान (17 गेंद, 30* रन) ने अंतिम ओवरों में तेज रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

ऋषिकेश फाल्कन्स की ओर से गेंदबाज जगमोहन नगरकोटी ने तीन विकेट जरूर लिए, लेकिन 47 रन खर्च करने पड़े। लक्ष्य का पीछा करने उतरी फाल्कन्स ने तूफानी शुरुआत की। ओपनर एलेन चेतन ने मात्र 28 गेंदों पर 71 रन ठोक डाले, जिसमें 2 चौके और 3 छक्के शामिल थे। उन्होंने अभ्युदय के साथ पावरप्ले में ही 81 रन की साझेदारी की। इसके बाद पूर्वांश ध्रुव (33 रन, 26 गेंद) ने पारी को आगे बढ़ाया। अंतिम ओवरों में दबाव की स्थिति में कप्तान अखिल सिंह रावत (49* रन, 36 गेंद) और सुचित जे (11* रन, 10 गेंद) ने संयम से बल्लेबाजी की और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। फाल्कन्स ने तीन गेंद शेष रहते मुकाबला अपने नाम किया।

मैच का स्टार खिलाड़ी

एलेन चेतन को उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी (71 रन, 28 गेंद) के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत से ऋषिकेश फाल्कन्स अंक तालिका में मजबूत स्थिति में पहुंच गए हैं, वहीं हरिद्वार एल्मास को एक बार फिर निराशा हाथ लगी।

हाइलाइट्सः

हरिद्वार एल्मास ने कप्तान कुणाल चंडेला (83 रन, 53 गेंद) की बदौलत बनाए 193/3

ऋषिकेश फाल्कन्स के एलेन चेतन ने खेली 71 रन (28 गेंद) की विस्फोटक पारी कप्तान

अखिल सिंह रावत (49* रन) और सुचित जे (11* रन) ने नाबाद रहते दिलाई जीत

महिला वर्ल्ड कप 2025 : जानिए वनडे फॉर्मेट में भारत-श्रीलंका के बीच कैसा है रिकॉर्ड ?

नई दिल्ली, एजेंसी। वनडे वर्ल्ड कप 2025 की शुरुआत मंगलवार को भारत-श्रीलंका के बीच मुकाबले के साथ होगी। इस फॉर्मेट में टीम इंडिया का पलड़ा श्रीलंका पर भारी रहा है। आइए, इसे विस्तार से जानते हैं।

भारत ने श्रीलंका के खिलाफ साल 2000 से 2004 तक 6 वनडे मैच खेले। इन सभी मुकाबलों में टीम इंडिया ने जीत दर्ज की। इसके बाद मार्च 2005 में खेला गया मुकाबला बेनतीजा रहा। दिसंबर 2005 से मार्च 2009 तक भारत ने श्रीलंका के खिलाफ लगातार 10 मैच जीते।

श्रीलंकाई महिला टीम ने फरवरी 2013 में पहली बार भारत के खिलाफ वनडे मैच जीता। वर्ल्ड कप का यह मुकाबला मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेला गया था। इसके बाद 19 जनवरी 2014 से 13 सितंबर 2018 तक टीम इंडिया ने श्रीलंका के विरुद्ध लगातार 10 मैच जीते। 16 सितंबर 2018 को वनडे इतिहास में श्रीलंका को भारत के खिलाफ दूसरी जीत नसीब हुई।

जुलाई 2022 से अप्रैल 2025 तक लगातार चार मुकाबले गंवाने के बाद मई 2025 में श्रीलंकाई टीम ने भारत के खिलाफ अपनी तीसरी जीत दर्ज की। दोनों देश मई 2025 में खेली गई त्रिकोणीय सीरीज में आमने-सामने थे, जिसमें भारत ने 97 रन के विशाल अंतर से जीत दर्ज की। भारत-श्रीलंका के बीच यह मुकाबला गुवाहाटी के बारसापरा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। भारतीय टीम की कमान हरमनप्रीत कौर के हाथों में है, जबकि चामरी अथापथु श्रीलंकाई टीम का नेतृत्व कर रही हैं।

भारतीय महिला टीमः प्रतिका रावल, स्मृति मंधाना, हरलीन देओल, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जेमिमा रोड्रिगेज, ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, अमनजोत कौर, उमा छेत्री, श्री चरणी, राधा यादव, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर और अरुंधति रेड्डी।

श्रीलंकाई महिला टीम : हसीनी परेरा, विश्मी गुनारत्ने, चामरी अथापथु (कप्तान), हर्षिता समरविक्रमा, अनुष्का संजीवनी (विकेटकीपर), कविशा दिलहारी, देवमी विहंगा, इनोका रणवीरा, नीलाक्षी डी सिल्वा, सुगंधिका कुमारी, इमेशा दुलानी, अचिनि कुलसुरिया, उदेशिका प्रबोधनी, पियमी वात्सला बदलगे और माल्की मादरा।

62वीं सीनियर राष्ट्रीय शतरंज -शशिकिरण और अभिजीत जीते बनाई सयुंक्त बढ़त

गुंटूर, आंध्र प्रदेश। 62वीं राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप अब अपने अंतिम पड़ाव के करीब पहुँच रही है और आठ राउंड के बाद 2 ड्रॉ और 6 जीत के साथ पीएसपीबी के दो खिलाड़ी चार बार के राष्ट्रीय चैम्पियन कृष्णन शशिकिरण और पाँच बार के कॉमनवैल्थ चैम्पियन अभिजीत गुप्ता 7 अंक बनाकर सबसे आगे चल रहे है और अब अंतिम दो राउंड के परिणाम तय करेंगे की चैम्पियन इन दोनों में से कोई होगा या कोई और खिलाड़ी । वैसे इस समय 5 खिलाड़ी 6.5 अंक बनाकर इन दोनों के ठीक पीछे चल रहे है।

राउंड में पहले बोर्ड पर कृष्णन नें सफ़ेद मोहरो से पीएसपीबी के ही दीप सेनगुप्ता को पराजित किया रुई लोपेज ओपनिंग में हुई इस बाजी में कृष्णन नें वजीर और घोड़े के एंडगेम में दीप ले राज को घेरते हुए 45 चालों में बजाई अपने नाम की , दूसरे बोर्ड पर रेल्वे के आयुष शर्मा नें रेल्वे के ही अरोण्यक घोष से बाजी ड्रॉ खेली ,तीसरे बोर्ड पर पीएसपीबी के अभिजीत गुप्ता नें उत्तर प्रदेश के अजय संतोष को पराजित किया और अपनी छठी जीत दर्ज की जबकि चौंथे बोर्ड पर तमिलनाडू के हर्ष सुरेश को तमिलनाडू के ही इनियन पी नें पराजित किया । आठ राउंड के बाद कृष्णन और अभिजीत 7 अंक, अरोण्यक, आयुष, इनियन, अदित्य डिंगरा, दीपन चक्रवर्ती और गौतम कृष्णा 6.5 अंक बनाकर खेल रहे है ।

पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घोषित की टेस्ट टीम

बाबर-रिजवान की वापसी, तीन नए खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सोमवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए 18 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। इस टीम में सबसे बड़ा आकर्षण है बाबर आज़म और मोहम्मद रिज़वान की वापसी, जो हाल ही में एशिया कप में नहीं खेल पाए थे। कप्तान शान मसूद की अगुवाई में यह टीम अनुभवी चेहरों और नए टैलेंट का बेहतरीन मिश्रण लेकर उतरेगी।

12 अक्टूबर से शुरू होगी टेस्ट सीरीज- आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र के तहत यह सीरीज़ 12 अक्टूबर से लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में शुरू होगी। पहला टेस्ट 12 से 16 अक्टूबर तक खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला 20 से 24 अक्टूबर तक रावलपिंडी में होगा। इस रेड-बॉल सीरीज़ के बाद दोनों टीमें 28 अक्टूबर से 8 नवंबर तक तीन टी20 और तीन वनडे मैच भी खेलेंगी।

नए चेहरों को मौका- आसिफ अफरीदी (लेफ्ट आर्म स्पिनर) फैसल अकरम (कलाई के स्पिनर) रोहेल नजीर (विकेटकीपर-बल्लेबाज)

ये तीनों खिलाड़ी सीनियर टीम के साथ ट्रेनिंग करेंगे और अगर मौका मिला तो डेब्यू भी कर सकते हैं। खासकर अफरीदी और अकरम की मौजूदगी पाकिस्तान की स्पिन गेंदबाजी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ धार दे सकती है।

प्री-सीरीज कैंप और तैयारियां- खिलाड़ी 8 अक्टूबर तक अजहर महमूद और एनसीए कोचों की देखरेख में प्री-सीरीज़ कैंप में जुटेंगे। वहीं, एशिया कप से लौटने वाले खिलाड़ी 4 अक्टूबर से कैंप में शामिल होंगे। PCB का मानना है कि इस बार टीम की तैयारी पूरी तरह सटीक है और घरेलू परिस्थितियों में वे दक्षिण अफ्रीका जैसी मजबूत टीम को चुनौती देंगे।

बल्लेबाजी और गेंदबाजी की ताकत- पाकिस्तान की बल्लेबाज़ी लाइनअप में शान मसूद, इमाम-उल-हक़ और अब्दुल्ला शफीक पारी की शुरुआत करेंगे। मध्यक्रम में बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, सऊद शकील और सलमान अली आगा टीम को मजबूती देंगे। गेंदबाजी विभाग में शाहीन शाह अफरीदी और हसन अली जैसे तेज गेंदबाज मौजूद हैं, जबकि अबरार अहमद, नोमान अली, साजिद खान और नए शामिल किए गए स्पिनर टीम को बैलेंस देंगे।

पाकिस्तान की 18 सदस्यीय टीम- शान मसूद (कप्तान), बाबर आजम, मोहम्मद रिज़वान (विकेटकीपर), इमाम-उल-हक, अब्दुल्ला शफीक, सऊद शकील, सलमान अली आगा, आमिर जमाल, हसन अली, शाहीन शाह अफरीदी, अबरार अहमद, नोमान अली, साजिद खान, आसिफ अफरीदी, फैसल अकरम, कामरान गुलाम, खुर्रम शहजाद, रोहेल नजीर (विकेटकीपर)।

ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, स्टार ऑलराउंडर न्यूज़ीलैंड टी20 सीरीज से बाहर

नई दिल्ली,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को नेट्स में अभ्यास के दौरान एक अजीब हादसे में चोट लग गई है, जिसके चलते वे न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। मैक्सवेल की दाहिनी कलाई पर युवा ऑलराउंडर मिचेल ओवेन का सीधा शॉट जा लगा। इस चोट के बाद उन्हें तुरंत मेडिकल टीम की देखरेख में घर भेजा गया है। मैथ्यू शॉर्ट, जो पास वाले नेट में बल्लेबाजी कर रहे थे, ने बताया कि शॉट बहुत जोरदार था और मैक्सवेल तुरंत दर्द से कराह उठे। उन्होंने कहा, मैक्सी पहले भी गंभीर चोटें झेल चुके हैं, लेकिन उम्मीद है कि वो जल्दी वापसी करेंगे।

भारत सीरीज पर भी संकट- मैक्सवेल का भारत के खिलाफ होने वाली घरेलू टी20 सीरीज में खेलना भी अब संदिग्ध हो गया है। इसके बाद दिसंबर से बिग बैश लीग 2025-26 शुरू होगी, जहां उनकी उपलब्धता पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

फिलिप को मिला मौका- मैक्सवेल की जगह 28 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश फिलिप को टीम में शामिल किया गया है। फिलिप आखिरी बार 2023 में भारत के खिलाफ टी20द्ब खेले थे। हाल ही में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया़ की भारत दौरे पर शानदार प्रदर्शन किया था। पहले अनौपचारिक टेस्ट में उन्होंने 87 गेंदों पर नाबाद 123 रन बनाए थे, जिसमें 18 चौके और 4 छक्के शामिल थे। इसके बाद उन्होंने 39 और 50 रन की उपयोगी पारियां भी खेलीं।

हर कोई ऑस्ट्रेलिया को हराना चाहता है - विश्व कप से पहले बोली कप्तान एलिसा हीली

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया महिला विश्व कप में अपने चैंपियनशिप खिताब का बचाव करने के लिए पूरी तरह तैयार है और कप्तान एलिसा हीली ने कहा कि उनका ध्यान इस आयोजन में टीम का नेतृत्व करने पर है।

2022 में एक प्रभावशाली अभियान के बाद ऑस्ट्रेलिया वापस आ गया है और हमेशा की तरह महत्वाकांक्षी है। अब खुद हीली के नेतृत्व में दुनिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम इतिहास, फॉर्म और प्रेरणा के साथ उपमहाद्वीप में पहुंची है। कप्तानी को हल्के में नहीं लेने वाली हीली ने कहा कि वह सफलता के लिए प्रेरित हैं क्योंकि टीम रिकॉर्ड आठवें विश्व कप खिताब की तलाश में है। जियोस्टार से बात करते हुए हीली ने टीम की कप्तानी और दबाव से निपटने के बारे में बात करते हुए कहा, मेरा पूरा ध्यान अपने काम पर है और वो है टीम को वनडे विश्व कप तक ले जाना। मैं इसे हल्के में नहीं लेती, बल्कि इस टूर्नामेंट में सफलता के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं, इसलिए यह एक दिलचस्प संतुलन है। हर कोई ऑस्ट्रेलिया को हराना चाहता है, लेकिन हम दबाव में भी संयमित रहते हैं और मुश्किल समय में भी वापसी करते हैं। इसी तरह हम लय को अपने पक्ष में लाते हैं।

मिनर्वा अकादमी क्रिकेट क्लब ने 30वें जे.पी. अत्रे मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब जीता

मोहाली, एजेंसी। मिनर्वा अकादमी क्रिकेट क्लब, चंडीगढ़ ने भारतीय रेलवे को 24 रनों से हराकर 30वें अखिल भारतीय जे.पी. अत्रे मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मैच मोहाली के आई.एस. बिंद्रा पीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया।

टूर्नामेंट में निम्नलिखित खिलाड़ियों को विशेष सम्मान दिए गएः

सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजः अयान चौधरी (भारतीय रेलवे, 12 विकेट)

सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजः मनन वोहरा (यूटी क्रिकेट एसोसिएशन, 264 रन, दोहरे शतक सहित)

सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर एवं टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ीः अंश यादव (भारतीय रेलवे, तीन शतक)

फाइनल का मैन ऑफ द मैचः सुमित बेनीवाल (मिनर्वा अकादमी, 5 विकेट)

फाइनल मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मिनर्वा अकादमी क्रिकेट क्लब ने 50 ओवर में 313 रन बनाए। कप्तान हिम्मत सिंह ने 113 गेंदों पर 119 रन की शतकीय पारी खेली। अभय चौधरी ने 72, कार्तिक शर्मा ने 57, गुरमेहर सिंह 18 और तेजप्रीत 17 रन बनाए। भारतीय रेलवे की ओर से जुबैर अली खान ने हैट्रिक सहित 5 विकेट लिए, अयान चौधरी और सुशील ने 2-2 विकेट लिए, जबकि विशाल हर्ष ने 1 विकेट लिया। जवाब में भारतीय रेलवे ने 47.4 ओवर में 289 रन बनाए। अंश यादव ने 117, कुश मराठे 56, शुभम चौबे 43 और रवि सिंह 36 रन बनाए। मिनर्वा अकादमी के सुमित बेनीवाल ने 5 विकेट लिए, अरमान वाधवा ने 2 और हिम्मत सिंह, तेजप्रीत सिंह व रणेश कुमार ने 1-1 विकेट लिए। मिनर्वा अकादमी की इस जीत से टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया।

खुटेही मैदान में लगाई जाएंगी पटाखा दुकानें

लायसेंस के लिए 14 अक्टूबर तक कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन, कलेक्टर कार्यालय में जमा करवानी होगी हार्ड कॉपी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। दीपावली के अवसर पर आतिशबाजी विक्रेता एक से 14 अक्टूबर को शाम 6 बजे तक एमपी ई सर्विस पोर्टल के माध्यम से आतिशबाजी लायसेंस के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन लोक सेवा केन्द्र के माध्यम से करना होगा। शहरी क्षेत्र रीवा के लिए आतिशबाजी लायसेंस के आवेदन की हार्ड कॉपी-कलेक्टर कार्यालय में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा। शहरी-क्षेत्र में आतिशबाजी लायसेंस के नए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नए लायसेंस के लिए ये डॉक्यूमेंट जरूरी: इस संबंध में अपर जिला दण्डाधिकारी सपना त्रिपाठी ने बताया कि आतिशबाजी लायसेंस के आवेदन के साथ पुलिस कैरेक्टर सर्टिफिकेट, पासपोर्ट फोटो, वोटर आईडीए और आधार कार्ड की फोटोकॉपी और 500 रुपए शुल्क लोक सेवा केंद्र के माध्यम से जमा करना होगा। आतिशबाजी/पटाखा विक्रय के लिए अस्थाई लायसेंसधारी को बेसिक ट्रेनिंग स्कूल ग्राउंड खुटेही और ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धारित स्थानों में दुकान लगानी होगी।

3 मीटर की दूरी पर होंगी दुकानें: दुकान के सुरक्षा की जिम्मेदारी व्यापारी की होगी। आतिशबाजी की अस्थाई दुकानें एक दूसरे से 3 मीटर की दूरी पर होंगी। वहीं सुरक्षित स्थलों से 50 मीटर की दूरी पर होगी। यह अस्थाई दुकानें एक दूसरे के आमने-सामने नहीं होगी। सुरक्षा दूरी के अंदर एवं इन दुकानों में प्रकाश के लिए किसी प्रकार का तेल लैम्प, गैस लैम्प और खुले बिजली बत्तियों का उपयोग नहीं होगा। यदि किसी बिजली की लाइनों का उपयोग किया जाता है। तब उसे दीवाल या छत पर दृढ़ता से लगाना होगा। किसी प्रकार के तार लटके नहीं होगे।

दुकान के सामने लगाना होगा अनुज्ञप्ति पत्र: बताया गया कि बत्तियों के लिए स्विच दीवार पर लगाने होंगे। एक पंक्ति की सभी दुकान के लिए मास्टर स्विच लगाना होगा। उन्होंने कहा कि किसी दुकान के 50 मीटर के अंदर आतिशबाजी का प्रदर्शन प्रतिबंधित होगा। दुकान आवंटित होने पर उसका संचालन स्वयं करना होगा। उसे अनुज्ञप्ति पत्र की मूल प्रति अपनी दुकान में अपने फोटो के साथ प्रदर्शित करना होगा।

दो बाल्टी रेत, अग्निशमन यंत्र की व्यवस्था करनी होगी: दुकान के पास टीन शेड, एक अग्निशमन यंत्र और दो रेत की बाल्टी की व्यवस्था दुकानदार को खुद करनी होगी। दुकान के सुरक्षा की जिम्मेदारी भी लाइसेंसधारी व्यापारी की होगी। पटाखा की अस्थाई दुकानें एक-दूसरे से 3 मीटर की दूरी पर और किसी सुरक्षित जगह से 50 मीटर की दूरी पर होंगी। दुकानें एक-दूसरे के आमने-सामने नहीं होगी। सुरक्षा के नजरिए से इन दुकानों में प्रकाश के लिए किसी प्रकार का तेल लैंप, गैस लैंप और खुली बिजली बत्तियों का उपयोग नहीं होगा। बेसिक ट्रेनिंग स्कूल ग्राउंड खुटेही में ही पटाखे की बिक्री होगी।

जिले में जलेगा 50 फीट ऊंचा रावण, 45 फीट ऊंचे मेघनाथ-कुंभकरण का भी होगा दहन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शारदीय नवरात्रि के बाद रीवा शहर में दशहरा पर्व का उत्साह नजर आ रहा है। दशहरा उत्सव समिति रीवा इस वर्ष भी महोत्सव को बड़े धूमधाम से मनाने की तैयारी कर रही है। विजयादशमी पर रावण दहन के लिए खास तैयारियां शुरू हो गई हैं।

गोविंदगढ़ पोलो मैदान में कारीगर रामकिशन सोंधिया द्वारा रावण, कुंभकर्ण और इंद्रजीत के विशाल पुतलों का निर्माण तेजी से चल रहा है। इन पुतलों को आकर्षक बनाने के लिए रंग-बिरंगी सजावट, अलग-अलग डिजाइन और आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। रोजाना बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और बच्चे निर्माण स्थल पर पुतलों को देखने पहुंच रहे हैं।

विजयादशमी पर दहन और कार्यक्रम: विजयादशमी के दिन इन पुतलों का दहन एनसीसी मैदान में किया जाएगा। दहन के साथ आतिशबाजी और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे, जो दर्शकों के लिए खास आकर्षण होंगे। हर साल की तरह इस वर्ष भी हजारों श्रद्धालु और दर्शक इस आयोजन में शामिल होंगे।

आयोजन को भव्य बनाने की तैयारी: दशहरा उत्सव समिति का कहना है कि इस बार कार्यक्रम को और भव्य बनाया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन के लिए प्रशासन से समन्वय किया जा रहा है, ताकि लोग परिवार सहित सुरक्षित और आनंदपूर्वक उत्सव का आनंद ले सकें।

एनसीसी ग्राउंड में दशहरा पर्व मनाया जाएगा: 2 अक्टूबर को एनसीसी ग्राउंड में दशहरा पर्व मनाया जाएगा। इसके लिए 50 फीट ऊंचा रावण, 45 फीट का मेघनाथ और 45 फीट का कुंभकर्ण पुतलों का निर्माण किया गया है। इन पुतलों का निर्माण गोविंदगढ़ के पोलो मैदान में रीवा जिले के कारीगरों द्वारा अंतिम रूप दिया गया है।

ब्राह्मण समाज ने सामूहिक चुनरी यात्रा निकाली, कालिका माता को अर्पित की गई 151 फीट लंबी चुनरी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के महिला मोर्चा के द्वारा भव्य सामूहिक चुनरी यात्रा का आयोजन किया गया। भक्तों ने माता रानी के जयकारे और भक्ति गीतों के बीच 151 फीट लंबी चुनरी मां को अर्पित की है।

यात्रा सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में पीटीएस चौराहा स्थित हनुमान मंदिर से शुरू हुई। महिला शक्ति के नेतृत्व में श्रद्धालु झांकियों और भजनों के साथ रानी तालाब पहुंचे। जहां पर प्राचीन मां कालिका मंदिर में चुनरी अर्पित की गई। इसके बाद मंदिर परिसर में महाप्रसाद का वितरण भी किया गया।

विमला शुक्ला ने बताया कि पिछले वर्ष 52 फीट की लंबी चुनरी मां को अर्पित की गई थी। जबकि इस बार समाज की महिलाओं के सहयोग से 151 फीट लंबी चुनरी तैयार हुई है। मां से लाखों की आस्था जुड़ी हुई है, जो अध्यात्म, विश्वास और श्रद्धा का संगम है। मां के प्रति यह विशाल चुनरी शक्ति और आस्था का प्रतीक बनी हुई है। इस यात्रा में डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ,सांसद जनार्दन मिश्रा समेत बड़ी संख्या महिलाएं और श्रद्धालु भी शामिल हुए।

नगर विजयादशमी उत्सव समिति में चुनाव विवाद सहित आर्थिक अनियमितताओं के लगे आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में 50 वर्षों से दशहरा एवं भरत मिलाप का आयोजन करने वाली नगर विजयादशमी उत्सव समिति एक बार फिर विवादों में घिर गई है। समिति पर बैंक खातों में गड़बड़ी करने के आरोप लगे हैं। समिति का वर्ष 2004 में विधिवत पंजीकरण हुआ था। विवाद की स्थिति तब बनी जब रीवा के प्रतिष्ठित व्यवसायी वैभव आर्या ने मनमाने आचरण को लेकर आपत्ति जताई। कूट रचित दस्तावेजों के आधार पर अध्यक्ष बने प्रकाश तरानी ने तुरंत वैभव आर्या को कमान सौंपी। लेकिन वैभव आर्या की अचानक मृत्यु के बाद, प्रकाश तरानी और उनके सहयोगियों ने 2022 में निर्माणकर्ता सदस्यों की लिस्ट बदल दी और बिना चुनाव कराए स्वघोषित अध्यक्ष बन गए।

पूर्व अध्यक्ष प्रकाश तरानी एवं उनके सहयोगियों ने कई पुराने सदस्यों को बिना कारण हटाया। निर्माण समिति के सदस्यों का कहना है कि 23 जून 2025 तक नए चुनाव होना आवश्यक था, लेकिन जानबूझकर चुनाव नहीं कराए गए। इससे समिति की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। शिकायत में यह भी कहा गया है कि समिति के कई बैंक खातों में गड़बड़ी पाई गई है। सहायक पंजीयक फर्म एवं सोसाइटी में मोहित गुप्ता कोषाध्यक्ष के रूप में दर्ज हैं, जबकि बैंकों में अमित डिगवानी का नाम बताकर लेनदेन किया जा रहा है।

पूर्व पदाधिकारियों का आरोप है कि समय पर चुनाव न कराए जाने के पीछे आर्थिक अनियमितताओं को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने मांग की है कि वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल पूर्ण हो चुका है, इसलिए अस्थाई व्यवस्था बनाकर दशहरा एवं भरत मिलाप का आयोजन कराया जाए। साथ ही, वित्तीय अनियमितताओं की जांच एक उच्च स्तरीय समिति से कराई जाए और दोषियों पर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। शिकायत कलेक्टर रीवा, कमिश्नर रीवा संभाग, मुख्यमंत्री और आयुक्त फर्म एंड सोसाइटी तक दी जा चुकी है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

शिकायतकर्ता राजनारायण मिश्रा और सुशील खरे ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो मामला उच्च न्यायालय में ले जाया जाएगा। यह मामला वित्तीय अनियमितता और नियमों की अनदेखी का है, जिससे दशहरा एवं भरत मिलाप जैसे ऐतिहासिक आयोजन पर संकट के बादल मंडराते दिख रहे हैं।

संजय गांधी अस्पताल में एम्बुलेंस व्यवस्था में नवाचार और अनियमितता से बचाव के लिए मीटिंग आयोजित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संजय गांधी अस्पताल में एम्बुलेंस व्यवस्था में नवाचार करने और अनियमितता से बचाव के लिए आज अस्पताल परिसर में एक महत्वपूर्ण मीटिंग आयोजित की गई। इस मीटिंग में थाना प्रभारी अमहिया शिवा अग्रवाल, यातायात थाना प्रभारी अनिमा शर्मा, अंजलि गुप्ता, नायब तहसीलदार यतीश शुक्ला, अस्पताल अधीक्षक डॉ. राहुल मिश्रा, ष्ट्स्स्ह्र डॉ. अतुल सिंह और डॉ. यत्नेश त्रिपाठी उपस्थित रहे।

इस मीटिंग में सभी एम्बुलेंस मालिकों और चालकों को बुलाया गया और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने एम्बुलेंस सेवा में सुधार के लिए विभिन्न उपायों पर चर्चा की और सभी को आम जन से शिष्ट रहने की अपील की। अधिकारियों ने प्रबंधन द्वारा बनाए गए नियमों के प्रति लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि एम्बुलेंस सेवा की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। इस मीटिंग का उद्देश्य एम्बुलेंस सेवा में सुधार लाना और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। अधिकारियों ने सभी एम्बुलेंस चालकों से अपेक्षा की कि वे अपने कार्य में ईमानदारी बरतें और किसी भी प्रकार की अनियमितता से बचें।

परिवहन विभाग की बड़ी कार्यवाही, 13 यात्री बसों से 4.24 लाख रुपये का बकाया मोटरयान कर जमा कराया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में परिवहन विभाग ने कड़ी कार्रवाई करते हुए 13 यात्री बसों के संचालकों से कुल 4,24,099 रुपये का बकाया मोटरयान कर जमा कराया है। यह सफल अभियान न केवल विभागीय राजस्व को मजबूत करने में सहायक सिद्ध हुआ है, बल्कि सड़क परिवहन व्यवस्था को अधिक अनुशासित और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने इसके लिए विशेष जांच अभियान चलाया, जिसमें विभिन्न रूटों पर संचालित यात्री बसों के कर भुगतान की गहन जांच की गई। इस दौरान पता चला कि ये 13 बसें लंबे समय से मोटरयान कर के भुगतान में विमुख थीं। विभाग ने तुरंत संचालकों को भुगतान के लिए अल्टीमेटम दिया, जिसके फलस्वरूप इन तेरह बस मालिकों ने निर्धारित समय के भीतर राशि जमा कर दी, जिससे इनका परिचालन निर्बाध रूप से जारी रह सके।

परिवहन विभाग ने बताया कि हमारा मुख्य लक्ष्य कर वसूली के साथ-साथ परिवहन क्षेत्र में पारदर्शिता और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस अभियान ने संचालकों को यह संदेश दिया है कि समय पर कर न जमा करने पर वाहन जब्ती और अन्य सख्त कदम उठाए जा सकते हैं। यह कार्यवाही विभाग की सक्रिय भूमिका को रेखांकित करती है, जो विभाग के लिए एक मिसाल है। इस वसूली से रीवा परिवहन विभाग के राजस्व में उल्लेखनीय इजाफा होगा। विभाग ने सभी वाहन मालिकों से अपील की है कि वे भविष्य में समयबद्ध तरीके से कर जमा करें, ताकि किसी प्रकार की परेशानी न हो।

2 किराना दुकानों में चोरी, पुलिस ने दो आदतन आरोपियों को किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र में चोरों ने सिलसिलेवार दो चोरी की वारदातों को अंजाम दिया। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर दोनों मामलों का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी आदतन अपराधी हैं और उनके खिलाफ अलग-अलग थानों में कई गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज हैं। थाना क्षेत्र में मंगलवार को दो अलग-अलग स्थानों पर किराना दुकानों में चोरी हुई। शिकायत दर्ज होने के तुरंत बाद पुलिस ने विशेष टीम गठित की और जांच-पड़ताल शुरू की।

आरोपियों की गिरफ्तारी: एसडीओपी उदित मिश्रा ने बताया कि चोरी की वारदातों में शामिल दोनों आरोपियों को त्वरित कार्रवाई के बाद गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की पहचान अभिषेक पासी और बृजेंद्र बहेलिया के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का अनुमान है कि उन्होंने इससे पहले भी कई चोरी की वारदातों को अंजाम दिया होगा। पूछताछ के माध्यम से इन घटनाओं के संबंध में साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और आगे की कार्रवाई जारी है।

मूक बधिर बच्चों की प्रतिभा को उजागर करने लिए कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अखिल भारतीय हिन्दू महासभा मध्यप्रदेश के जिलाध्यक्ष उमेश कुशवाहा द्वारा मूक बधिर बच्चों के लिए एक अद्भुत प्रोग्राम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम न केवल उनकी प्रतिभा को उजागर करने का अवसर था, बल्कि उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

उमेश कुशवाहा के प्रयास से उन बच्चों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आया है, जो अक्सर समाज में अनदेखे रह जाते हैं। उनकी इस पहल ने यह साबित किया है कि हर बच्चा खास है और हर किसी को अपनी प्रतिभा दिखाने का हक है।

उमेश कुशवाहा ने मूक बधिरों के लिए सराहनीय कार्य करते हुए इस प्रोग्राम के माध्यम से समाज में समावेशन को बढ़ावा दिया है, जहाँ हर बच्चे को समान अवसर मिलता है। इस मंच से मूक बधिर बच्चों की प्रतिभा को पहचानने और उन्हें मंच देने का यह एक सुंदर प्रयास है।

यह कार्य दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो ऐसे बच्चों के लिए काम करना चाहते हैं। उमेश कुशवाहा की यह पहल न केवल मूक बधिर बच्चों के लिए, बल्कि समाज के लिए भी एक सकारात्मक संदेश है कि सभी को समान अवसर मिलना चाहिए और हर बच्चे की प्रतिभा को सम्मानित किया जाना चाहिए।

सांसद मिश्र ने हनुमना और खटखरी में किया सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ

खेलों से अनुशासन और टीम भावना को बढ़ावा मिलता है : सांसद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा और मऊगंज जिलें में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मऊगंज जिले में हनुमना तथा खटखरी में आयोजित सांसद खेल महोत्सव का रीवा सांसद जनार्दन मिश्र ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर सांसद ने कहा कि खेल से तन मन दोनों स्वस्थ्य रहते हैं। सांसद खेल महोत्सव के आयोजन का उद्देश्य आमजनता को विभिन्न खेलों के माध्यम से नई ऊर्जा अनुशासन और टीम भावना का संदेश देना है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा को निखारने और प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर देश की युवा शक्ति नये और विकसित भारत के निर्माण के लिए आगे कदम बढ़ा रही है। युवा पीढ़ी ही नये भारत का निर्माण करेगी। युवा अपने को नशे से दूर रखकर देश के विकास में अपनी ऊर्जा लगाये।

इस अवसर पर विधायक मऊगंज प्रदीप पटेल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में हमेशा से परंपरागत खेल प्रतियोगिताएं आयोजित होती रही हैं। प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी की पहल पर ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को अवसर देने के लिए सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। हम सब के लिए बहुत बड़ा सौभाग्य है कि रीवा के सांसद ही इस प्रतियोगिता का शुभारंभ कर रहे हैं। सांसद का खेल प्रतियोगिता में कबड्डी, क्रिकेट, बालीबाल सहित परंपरागत रस्सा कसी, गिप्पी गेंद का आयोजन किया गया। सांसद मिश्र ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और खेल का विधिवत शुभारंभ किया। हनुमना में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर तथा खटखरी में हायर सेकेण्डरी स्कूल के मैदान में सांसद खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुनील सिंह, संतोष सिंह सिसोधिया, वंशगोपाल तिवारी, विपिन द्विवेदी, अमित सिंह, मुरलीधर द्विवेदी अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधिगण तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारी तथा बड़ी संख्या खिलाड़ी एवं आमजन उपस्थित रहे। मऊगंज जिले में ही पिपराही और गौरी में भी सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया गया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।